संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष- 20 अंक- 268
पृष्ठ 8
सोमवार
17 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक- उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लू से बढ़ रही है हाई ब्लड..
विचार- संविधान बदलने का मुद्दा भाजपा पर पड़ा भारी
खेल- टी२० विश्व कप में बारिश के कारण...

गोरखनाथ मंदिर में लगा जनता दर्शन, सीएम योगी ने कहा-

इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद

गोरखपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के चलते मार्च माह से स्थगित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनता दर्शन कार्यक्रम एक बार फिर रविवार से शुरू हो गया। हालांकि, लखनऊ सीएम के सरकारी आवास पर पहले ही इसकी शुरुआत हो गई थी। अब, गोरखनाथ मंदिर में भी शुरू हो गया। शनिवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व 9 मार्च को हुआ था। रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों को थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार

इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को देते हुए समाधान के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज में मदद की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया। साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं। जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली माफ नहीं की जाएगी। हर व्यक्ति की समस्या का पारदर्शिता के साथ समाधान करवाना शासन–प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार–दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़–रोटी खिलाया। गोशाला का भ्रमण कर सीएम योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। सीएम योगी की आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। सीएम योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़–रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

अगर तेदेपा को नहीं मिला लोकसभा स्पीकर का पद, तो इंडिया गठबंधन देगा उन्हें समर्थन : संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा है कि लोकसभा स्पीकर का पद एनडीए गठबंधन के किसी नेता को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है और अगर उन्हें यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि तेदेपा के उम्मीदवार को इंडिया गठबंधन का समर्थन मिले। संजय राउत ने कहा कि लोकसभा स्पीकर पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2014 और 2019 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है। अगर एनडीए के उम्मीदवार को यह पद नहीं मिला तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह टीडीपी, जेडीयू और लोजपा (रामविलास) को तोड़ सकते हैं। अगर चंद्रबाबू नायडू को यह पद नहीं मिलता है तो हम ये

सुनिश्चित करेंगे कि उनके उम्मीदवार को इंडिया गठबंधन का समर्थन मिले। गौरतलब है कि मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि अगर डिप्टी स्पीकर पद विपक्षी गठबंधन को नहीं मिला तो वे लोकसभा स्पीकर पद के लिए अपने उम्मीदवार का एलान कर सकते हैं। 17वीं लोकसभा के दौरान डिप्टी स्पीकर का पद खाली रहा था। लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई को सत्र का समापन होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव में भाजपा को 240 सीटों पर जीत मिली और पार्टी बहुमत के आंकड़े 272 से 32 कम है। ऐसी स्थिति में तेदेपा (16) और जदयू (12) सीटों के साथ किंगमेकर बनकर उभरी हैं। तेदेपा ने लोकसभा उम्मीदवार पद पर दावा भी पेश किया था। आम आदमी पार्टी और विपक्षी गठबंधन ने भी मांग की कि लोकसभा स्पीकर का पद जदयू या तेदेपा को मिलना चाहिए।

दिल्ली जल संकट आप सरकार की देन : बांसुरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी और राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे जल संकट के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने रविवार को पानी की कमी को लेकर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी

(आप) सरकार के खिलाफ 14 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली के सभी सात नवनिर्वाचित संसद सदस्य इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुये। नयी दिल्ली से लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली जल बोर्ड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया,"यह कोई प्राकृतिक समस्या नहीं है, इसे आम आदमी पार्टी ने पैदा किया है। दिल्ली में पर्याप्त पानी है और हरियाणा सहमति से ज्यादा पानी दे रहा है।" उन्होंने दावा किया,"केवल 10 वर्षों में आप ने दिल्ली जल बोर्ड को 2013 में 600 करोड़ रुपये के मुनाफे वाली इकाई से 2024 में 73,000 करोड़ रुपये के घाटे में पहुंचा दिया है।" पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि द्वारका के निवासी पानी की कमी के बारे में शिकायत कर रहे हैं क्योंकि निजी टैंकरों के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं, और उन्हें सरकारी टैंकरों का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। आप सरकार पर निशाना साधते हुए सुश्री सहरावत ने कहा,"दिल्ली सरकार पानी की कमी के लिए अन्य राज्य सरकारों को दोषी ठहरा रही है।

गृह मंत्री शाह ने की जम्मू–कश्मीर के सुरक्षा हालात की समीक्षा को लेकर बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर रविवार को क्षेत्र के सुरक्षा हालात की समीक्षा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। शाह ने 29 जून से शुरू होने जा रही वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री को जम्मू–कश्मीर के मौजूदा हालात के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और आने वाले दिनों में सुरक्षाबल वहां आतंकवाद रोधी अभियान तेज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ अभियान प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार चलाया जाएगा। शाह ने यहां नॉर्थ ब्लॉक में उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी

इसी मुद्दे पर एक बैठक की थी जिसमें उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिया था। बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, अगले सेना प्रमुख के तौर पर नामित लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, गुप्तचर ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह, बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल, जम्मू–कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आर आर स्वैन और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए।सूत्रों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को हुई एक बैठक में शाह को जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति, अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षाबलों की तैनाती, घुसपैठ की कोशिशों, आतंकवाद रोधी अभियानों की स्थिति और केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय आतंकवादियों के बारे में जानकारी दी गई थी। आतंकवादियों ने पिछले चार दिनों में जम्मू–कश्मीर के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए, जिनमें नौ तीर्थयात्रियों और सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई तथा सात सुरक्षाकर्मी और कई अन्य घायल हो गए। कठुआ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद हुआ। आतंकवादियों ने नौ जून को तीर्थयात्रियों की एक बस पर उस समय गोलीबारी की जब यह शिव खोरी मंदिर से कटरा की ओर जा रही थी। इस बस में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के श्रद्धालु सवार थे। गोलीबारी के बाद बस गहरी खाई में गिर गई थी जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 अन्य घायल हो गए थे। आतंकवादियों ने 11 जून को भद्रवाह में राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस की संयुक्त चौकी पर गोलीबारी की थी। आतंकवादियों ने 12 जून को डोडा जिले के गंडोह क्षेत्र में एक तलाशी दल पर हमला किया था जिसमें एक पुलिसकर्मी सहित सात सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। इन हमलों के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने 13 जून को गृह मंत्री के साथ सुरक्षा बलों की तैनाती तथा आतंकवाद रोधी अभियानों पर चर्चा की।

पौड़ी जिले में वाहन खाई में गिरा, चार की मौत, तीन घायल

पौड़ी/देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के जनपद पौड़ी गढ़वाल में

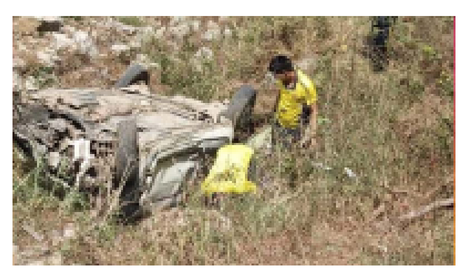

एक वाहन रविवार को अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। उसमें सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गये। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मणिकांत मिश्रा ने बताया कि आज सुबह कोतवाली श्रीनगर द्वारा खिर्सू चौबट्टा के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना देते हुए रेस्क्यू को टीम की मांग की गई। जिसपर उप निरीक्षक देवीदत्त बर्थवाल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

नन्द किशोर सिंह पी.जी. कालेज
सम्बद्ध : प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
धनूहा, चाका, नैनी, प्रयागराज

आवश्यकता है सहाचार्यो की
बी.एड. – सहाचार्य – 15 पद

वेतन एवं योग्यता यूजीसी/ शासन/ विश्वविद्यालय के मानकानुसार

विज्ञापन के 7 दिवस के अन्दर महाविद्यालय के प्राचार्य कक्ष में आवेदन जमा करें।

मो० नं० - 9838868000

शुभकामना

ईद–उल–अज़्हा के पावन पर्व पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

–सम्पादक

सूचना

ईद–उल–अज़्हा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक १९ जून को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

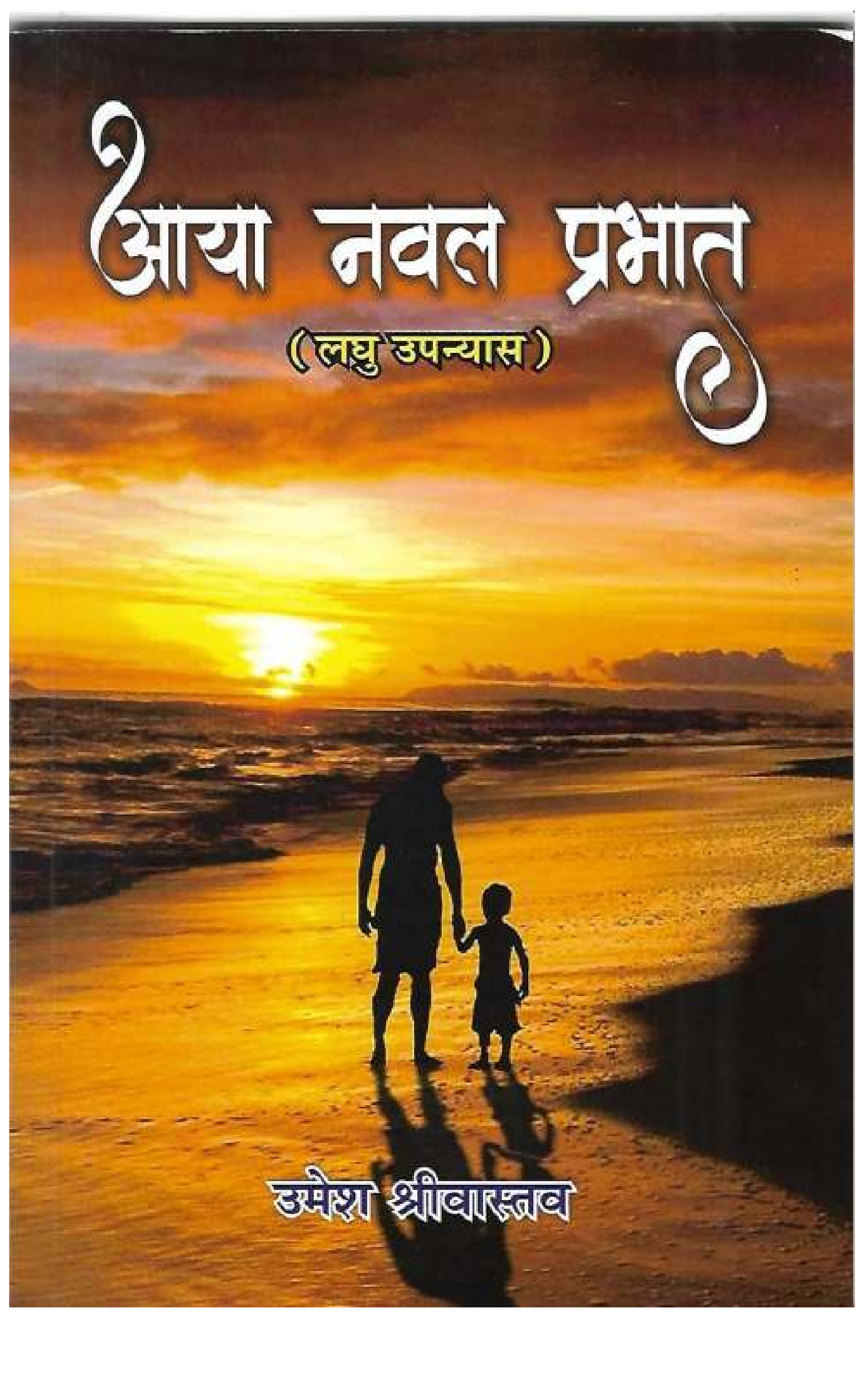

प्रयागराज में तेज धूप में कार जली

नए यमुना पुल पर हादसा, 5 लोग बैठे थे, 18 दिन में 11 गाड़ियां जलीं

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार दोपहर 44.2 डिग्री तापमान के बीच कार में आग लग गई। हादसा नए यमुना पुल नैनी पर हुआ। अर्टिगा कार में 5 लोग, जिनमें दो महिलाएं, दो पुरुष और एक बच्चा सवार थे। जैसे ही कार के इंजन से ध ुआं उठा, सब उतरकर दूर खड़े हुए। पांच मिनट में पूरी कार जल गई। पुलिस ने बताया कि नैनी के मवैया के रहने वाले अमन निषाद एक आश्रम से जुड़े हैं। उड़ीसा से आए श्रद्धालुओं को लेकर वह अपनी अर्टिगा कार से चित्रकूट धाम जाने को निकले। तभी नए यमुना पुल पर कार में आग लग गई। सभी वापस आश्रम लौट गए। लोगों ने फायर सर्विस को सूचना दी तो पुलिस और दमकल कर्मियों ने पहुंच कर आग पर काबू पाया। प्रयागराज में गर्मी की वजह से गाड़ियों में आग लगने की 18 दिन में यह 11वां मामला है।

आइए बताते हैं कहां कहां जलीं गाड़ियां

प्रयागराज में आसमान से आग बरस रही है। यूपी के सबसे गर्म शहरों में प्रयागराज भी शुमार है। तेज धूप, लू से हर कोई परेशान है। गर्मी से जन जीवन तो प्रभावित हो ही रहा है लोगों की जान पर भी बन आ रही है। प्रयागराज की बात करें तो पिछले 18 दिनों में वाहनों में आग लगने की 11 घंटनाएं हो गईं। चलती कारों में आग से अफरातफरी मच जा रही है। लोग लपटों से घिरी गाड़ियों से कूदकर जान बचा रहे हैं। यह सारी घटनाएं सड़कों पर हो रही हैं। वजह साफ है भीषण गर्मी में गाड़ियों के इंजनों का बेतहाशा गर्म हो जाना है। यहां तक की गर्मी की आग यूं है कि रोड रोलर तक में आग लग जा रही है। फाफामऊ में रोड रोलर में आग से अफरातफरी मच गई।

सावधान रहें, एहतियात बरतें

ऐसे में सावधानी बहुत जरूरी है। खासकर हाईवे पर कारों से रफ्तार भर रहे हैं तो इंजन के हीट होने की तरफ जरूर ध्यान दें। रेडीवाटर में पानी है, लीकेज तो नहीं हुआ। एसी कंप्रेशर बहुज ज्यादा गर्म तो नहीं हो गया यह जरूर देखें। टायरों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। शास्त्री बिज पर लपटों से घिरी पूरी जल गई आर्टिगा कारगंगा पर बने शास्त्री बिजल पर तेज रफ्तार आर्टिगा कार में भीषण आग लग गई। यह हादसा 28 मई की दोपहर हुआ जब प्रयागराज का पारा 48 डिग्री से ऊपर था। कार सवार लोग जल्दी से उतर कर भाग गए। आर्टिगा कुछ ही देर में पूरी तरह लपटों से घिर गई। फायर सर्विस की गाड़ी ने पहुंच आग पर काबू पाया।

पिकअप वैन की खिड़की से कूदे थे दो लोग

प्रयागराज के बारा इलाके में डांडो चौराहे पर दोपहर में हाईवे पर अचानक पिकअप वैन में आग लग गई। पिकअप में ड्राइवर समेत दो लोग बैठे थे। आग लगने से दोनों गाड़ी छोड़ भागे। धूं धूं कर पिकअप पूरी तरह जलने लगी। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन, आग बढ़ती गई। अंत में फायर सर्विस की टीम ने पहुंच आग पर काबू पाया। हालांकि तब पिकअप पूरी तरह जल गई थी। हादसे की वजह से हाईवे पर भीड़ लगी रही। ड्राइवर शैलेश ने बताया कि भीषण गर्मी की वजह से आग लगी। दारागंज में जली कार, करेली में बाइकगर्मी की वजह से दारागंज इलाके में मारुति कार में आग लगने से अफरातफरी मची। कार में तीन लोग सवार थे। सभी कार से निकल कर जान बचाते हुए दूर भागे। इसी प्रकार शहर के करेली इलाके में साठ फिट रोड पर पल्सर बाइक में तब आग लगी जब युवक उसे तेजी से चला था। अचानक आग लगने के बाद बाइक छोड़कर निकल भाग। मो. शारिक ने बताया कि पल्सर पर आसपास के लोगों ने जल्दी से पानी छोड़ा तो वह बुझ गई ।इसी प्रकार नवाबगंज इलाके में आईटेन कार में भीषण आग लगने से पूरी गाड़ी जल गई थी। ऐसा ही हादसा प्रयागराज–फैजाबाद मार्ग पर हुआ। बीट कार में आग लगने के बाद उसमें सवार दो लोगों को भागना पड़ा था ।थाना परिसर में खड़े 16 वाहनों में फैल चुकी आगकुछ दिन पहले गर्मी की वजह से खुल्दाबाद थाना परिसर में भीषण हादसा हो गया था। परिसर में खड़ी गाड़ियों में आग लग गई। सीज किए और लावारिस मिले वाहनों में आग फैलने से तेज लपटें उठने लगीं। पुलिसकर्मी भी आग बुझाने के लिए जूझते रहे थे। दो घंटे में आग पर तो काबू पा लिया था लेकिन 16 गाड़ियां पूरी तरह जल गईं थीं।

प्रयागराज में फादर्स-डे पर पिता का सुसाइड

मैं जिंदगी से हार गया हूं बेटा...मेरा अंतिम संस्कार मत करना लिखकर फंदे पर लटक गया

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार को फादर्स डे के दिन एनजीओ संचालक संजय सक्सेना ने सुसाइड कर लिया। पत्नी, बेटे कहीं गए हुए थे। जब वह लौटे तो संजय कहीं नजर नहीं आए। घरवालों ने सोचा ऊपर के कमरे में सो रहे हैं। जब जाकर देखा तो उनकी लाश रस्सी से लटक रही थी। पत्नी बेहोश होकर गिर गई। पुलिस को जानकारी दी। मौके पर जब कमरे की जांच की, तो एक सुसाइड नोट मिला।

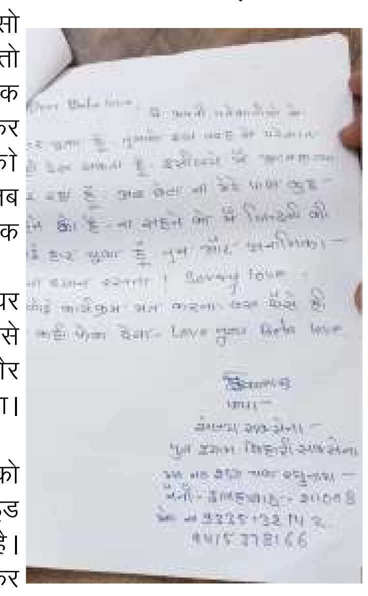

जिसमें लिखा– डियर बेटा, मैं अपनी जिंदगी से हार चुका हूं। तुम और अनामिका अपना ध्यान रखना। सॉरी लव यू बेटा।

परिवार वाले बोलने को तैयार नहीं : पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में ले लिया है। अब परिवार से बातचीत कर रही है। चक रघुनाथ नैनी के रहने वाले संजय सक्सेना श्याम बिहारी सक्सेना के बेटे थे। वह एनजीओ चलाने वाले के तौर पर जाने जाते थे। इन दिनों उनके पास कोई काम नहीं था। रिश्तेदार बता रहे हैं कि आर्थिक तंगी की वजह से वह काफी दिनों से परेशान चल रहे थे। हालांकि संजय के परिवार वाले इस बारे में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे परिवार के लोगों ने कहा कि हमें कुछ नहीं कहना।

डियर बेटा लव, : मैं अपनी परेशानियों से हार चुका हूं, तुमको इस तरह से परेशान नहीं देख सकता हूं। इसलिए मैं आत्महत्या कर रहा हूं। अब बेटा मेरे पास न कुछ कहने को है न कुछ सहने को। मैं जिंदगी से हार गया हूं। तुम और अनामिका ध्यान रखना। अब सहन की क्षमता नहीं रह गई। कोई कार्यक्रम मत करना, बस ऐस ही कहीं फेंक देना। लव यू बेटा।

प्रयागराज में सड़कों पर नहीं होगी बकरीद की नमाज

सुरक्षा के इंतजाम कड़े, उलेमाओं की गुजारिश– घरों में कुर्बानी करें

प्रयागराज। कुर्बानी का त्योहार ईद–उल–अजहा (बकरीद) 17 जून मनाई जाएगी। सोमवार को होने वाली बकरीद की नमाज की तैयारी पूरी की जा रही है। ईद की तरह ही बकरीद पर शहर और देहात में नमाज सड़कों पर नहीं होगी। ऐसे में मस्जिदों, मदरसों, दरगाहों समेत अन्य इबादतगाहों में नमाज के इंतजाम किए गए हैं। बकरीद पर सुबह नमाजियों की भीड़ अधिक उमड़ती है, ऐसे में कई बड़ी मस्जिदों में दो जमात का इंतजाम है। शहर की चौक जामा मस्जिद समेत अन्य जगहों पर दो जमात होगी।

चौक जामा मस्जिद में 7 और 8 बजे जमात

जामा मस्जिद में पहली जमात सुबह 7 बजे और दूसरी जमात सुबह 8 बजे होगी। बकरीद के मद्ध्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। खासकर पुराने शहर की मिलीजुली आबादी वाले इलाकों में पुलिस,पीएसी और आरएएफ की तैनाती की गई है। शहर काजी समेत चौक जामा मस्जिद व सभी मस्जिदों के पेश इमामों ने लोगों से अपील किया है कि नमाज सड़कों पर न अदा करें। वक्त पर मस्जिद जाएं और नमाज पढ़ने के बाद कुर्बनी करें। साथ ही मौलानाओं, आलिमों, पेश इमामों, मस्जिद कमेटियों समेत अन्य तंजीमों ने गुजारिश की है कि कुर्बानी घरों में या फिर घर के आसपास करें। सड़क, सार्वजनिक स्थल स्थल पर कुर्बानी न करें। न ही कुर्बानी की फोटो, वीडियो सोशल मीडिया पर डालें। प्रयागरजा कमिश्नरेट पुलिस ने भी सभी को आगाह किया है कि कुर्बानी का त्योहार भाई चारे से मनाएं। दूसरों के दरवाजों पर कुर्बानी न करें न ही जानवरों के अवशेष इधर उधर फेंके।

हजारों जानवरों को किया जाएगा जिबाह

प्रयागराज में कुर्बानी का पर्व अकीदत और एहतेराम के साथ मनाया जाता है। बकरीद की नमाज के बाद हजारों जानवरों को जिबाह किया जाता है। ऐसे में संगम नगरी में खास ऐहतियात बरता जाता है ताकि कि आपसी भाईचारा बना रहे। नमाज और कुर्बानी के मद्ध्देनजर रविवार से ही पुलिस–प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दीं। शहर के हर इबादतगाहों में नमाज का अलग–अलग वक्त मुकर्रर किया गया है। चूंकि नमाज बाद ही कुर्बानी होनी है, ऐसे में ज्यादातर मस्जिदों में सुबह छह बजे से लेकर साढ़े नौ बजे बजे तक का वक्त रखा गया है। नमाजियों की भीड़ के मद्ध्देनजर तमाम मस्जिदों में दो जमात का इंतजाम हुआ है। इसके अलावा मदरसों, दरगाहों समेत कई गेस्ट हाउस में भी बकरीद की खास नमाज अदा होगी। पुलिस के साथ ही उमेमाओं ने खासतौर से इस बात की हिदायत दी गई है कि प्रतिबंध्ति ात जानवर की कुर्बानी कतई नहीं करें। अपील की गई है कि ऐसी जगह पर कुर्बानी न करें जहां पड़ोसी या फिर आने–जाने वाले को दिक्कत हो। बकरीद की तैयारियों को लेकर देर रात तक मुस्लिम इलाकों में चहल पहल रही। शहर के प्रमुख बाजारों में लोग खरीदारी करते नजर आए। करेली, खुल्दाबाद, नूरुल्ला रोड, अटाला, रसूलपुर, बहादुरगंज, अकबरपुर, चकिया, शाहगंज, चौक, रोशनबाग, कटरा, कोठा पारचा आदि बाजारों में बुर्कानशीं महिलाएं बकरीद की खरीदारी में लगी रहीं। करेली, शाहगंज, नखासकोहना, अटाला, नूरुल्ला रोड सब्जीमंडी, सेवई मंडी, रानीमंडी, हटिया में बकरा बाजार में लोग कुर्बानी के जानवर खरीदने के लिए आधी रात तक जमा रहे। देर रात तक लोग सेवईं, खोवा, दूध, दही खरीदते नजर आए।

बकरों की कीमतों पर महंगाई का असर

इस बार बकरीद पर महंगाई का असर साफ नजर आ रहा है। आम शहरी बकरों की महंगी कीमत से परेशान हैं। यूं तो हर बार बकरीर पर बकरों की कीमत आसमान छूने लगती है लेकिन इस बार हालात जुदा हैं। आम बकरों की कीमत 15 हजार रुपये से कम ही नहीं है। कोई भी कुर्बानी लायक बकरा 15 से 20 हजार रुपये से कम नहीं है। बकरों की कीमत 20 हजार से शुरू होकर दो लाख तक पहुंच रही है। महंगाई की वजह से इस बार राजस्थानी बरबरे बकरों की डिमांड ज्यादा है। साथ ही पूर्वांचली बकरों की खेप भी रोज शहर पहुंच रही है। बकरा पालने के शौकीन इस त्योहार पर चर्चा में रहते हैं। करेली के रहने वाले मो. मीरान बड़े दुलार से बकरा पालते हैं। इस बार उनके बकरे की कीमत डेढ़ लाख तक लगी है। उन्होंने अपने बकरे का नाम राजा रखा है। राज को मीराम घोड़ों के अंदाज में पालते हैं। इसके साथ ही राजस्थान के गुजरी नस्ल के एक बकरे की कीमत 90 हजार रुपये लगी है। करेली के रहने वाले बुजुर्ग सैयद अली का कहना है कि दाम लग रहे हैं लेकिन वह खुद कुर्बानी कराएंगे।

खूब लिया गया हिस्सा : बड़े जानवर यानी भैंस और पड़वे का हिस्सा लेने को भी खासा मारामारी रही। अटाला, रसूलपुर, चकिया, केसरिया, बमरौली आदि इलाकों में लोग बड़े जानवर का हिस्सा लेने के लिए रुपये जमा करने पहुंचे। हालांकि स्लाटर हाउस बंद होने की वजह से बड़े जानवरों की कुर्बानी कम ही होगी। कुछ जगह इसके लिए इंतजाम किए गए हैं।

गंगा दशहरा पर संगम पहुंचे 2 लाख श्रद्धालु

स्नान कर सूर्य को अर्घ्य दिया, महिलाओं ने पूजा की, 100 साल बाद बना सर्वार्थ सिद्धि योग

प्रयागराज। आज रविवार को गंगा दशहरा है। इस शुभ मुहूर्त में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोर से ही गंगा स्नान के लिए संगम नोज पर पहुंचे। मां गंगा और अदृश्य सरस्वती की बहती ध ारा के बीच श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। त्रिवेणी में स्नान कर मां गंगा को जल चढ़ा रहे हैं। विधि–विधान से पूजन–अर्चना करने के बाद दान पुण्य भी कर रहे हैं और परिवार की कामना के लिए मां गंगा से आशीर्वाद ले रहे हैं। गंगा दशहरा के अवसर पर संगम पर भोर से ही ये सिलसिला जारी है और देर शाम तक जारी रहेगा। संगम नोज, वीआईपी घाट, बलुआघाट, दश्वाश्मेध घाट पर करीब 2 लाख श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचे हैं। सुरक्षा की दृ ष्टिकोण से जल पुलिस और NDRF के जवान भी लगे हुए हैं।

बन रहे हैं चार शुभ संयोग : पंचांग के अनुसार, इस बार गंगा दशहरा के मौके पर चार शुभ संयोग बन रहे हैं। ऐसा संयोग 100 साल बाद ही आता है। आज गंगा दशहरा के दिन हस्त नक्षत्र है। इसके अलावा सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ अमृत योग और रवि योग का भी अद्भुत संयोग है। आज के दिन मान्यता है कि गंगा स्नान करने से हर तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है। इससे पूवर्ज भी खुश होते हैं और उनका आशीर्वाद मिलता है। यही कारण है कि यहां आज श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। स्नान–ध्यान के साथ लोग मां गंगा का दीपदान भी कर रहे हैं।

आज पहली बार बेटियां करेंगी गंगा आरती : आज गंगा दशहरा के शुभ दिन पहली बार 8 बेटियां भी गंगा स्नान करेंगी। इसके लिए 8 कन्याओं का चयन किया गया है। वह पारंपरिक वेशभूषा में मां गंगा की आरती करती दिखेंगी। यह अलग–अलग मंचों से एक साथ गंगा आरती करते हुए दिखेंगी। यह पहल जय त्रिवेणी जय प्रयाग सेवा की समिति की ओर से की जा रही है। आरती के लिए चयनित कन्याओं की उम्र 14 से 16 वर्ष तक है। जिनमें नयनश्री पाठक, नंदिनी पाठक, श्रेयसी पांडेय, वैष्णवी, जय किशोरी, जाह्नवी, वंशिका व नायरा शर्मा शामिल हैं। समिति की अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने बताया कि समिति में कई वर्षों से प्रतिदिन बटुकों से त्रिवेणी पूजन कराया जा रहा है लेकिन इस बार गंगा दशहरा के दिन से कन्याओं को भी इसमें शामिल किया जा रहा है।

प्रयागराज में एक साल से बहन को ढूंढ रही युवती

पुलिस–कोर्ट के चक्कर काट रही, बोली– बहन जिंदा या मर गई, कुछ तो पता चले

प्रयागराज। अंबेडकर नगर की रहने वाली नेहा पांडेय एक साल से प्रयागराज मेंअपनी बहन अंकिता को ढूंढ रही है। थाना, कोर्ट–कचहरी के चक्कर काट रही। सीएम योगी का जनता दरबार हो या अधिकारियों से मुलाकात, हर जगह से उसको सिर्फ आश्वासन मिला। नेहा कहती है– साल भर पहले एक तरफ पापा की डेड बॉडी पड़ी थी, दूसरी तरफ मेरी बहन नहीं मिल रही थी। उसे प्रयागराज की गलियों के बारे में पता भी नहीं था। वो पहली बार यहां आई थी। मेरी बहन कहां है? किस हाल में है? वो जिंदा है या मर गई? कुछ तो पता चले। मुझे मेरी बहन चाहिए। 22 साल की अंकिता पांडेय उर्फ दीपा हैदराबाद की एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी करती थी। आखिरी बार प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) से 100 मीटर दूर देखी गई। इसके बाद प्रयागराज की किस गली में खो गई? इस सवाल का जवाब अब तक नहीं मिला। इसको लेकर अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 8 जुलाई को पुलिस को तलब किया है।

पिता का अंतिम संस्कार, बहन की खोज : अंकिता की बहन नेहा पांडेय बताती है– प्रयागराज में हमारा कोई नहीं था। हम उस दिन चीखते–चिल्लाते रहे कि मेरी बहन को ढूंढ लाइए। पूरी रात हम अंकिता को ढूंढते रहे। पुलिस के पास गए, गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद डेड बॉडी लेकर हम लोग अंबेडकरनगर आ गए। पापा का अंतिम संस्कार करवाया। पापा हमें छोड़कर चले गए थे, बहन कहीं मिल नहीं रही थी।

हर एक गली, रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर गए : मैं, मम्मी और मेरा भाई तीनों लोग फिर जैसे–तैसे प्रयागराज गए। यहां हर गली में बहन को ढूंढते रहे। रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर तलाश की। लेकिन उसका पता नहीं चला। हैदराबाद में, जहां वो काम करती थी, वहां भी फोन किया। पता लगाया, लेकिन वो वहां वापस गई ही नहीं। पुलिस ने सीसीटीवी खंगालने शुरू किए। एसआरएन अस्पताल के गेट का सीसीटीवी खराब मिला। गेट के बाहर मेडिकल चौराहे जाने वाली सड़क पर एक सीसीटीवी में अंकिता पैदल सड़क पर जाते दिखी। दूसरे में वह एक ऑटो में बैठी नजर आई। अंकिता की आखिरी लोकेशन बस यही थी।

ऑटो चालक मिला, पुलिस ने पूछताछ की और छोड़ दिया

हमने हर एक रिश्तेदार से संपर्क किया। पूछा– कहीं अंकिता आपके यहां तो नहीं आ गई? बहन से जुड़े जितने लोग भी थे, सभी से बातचीत की। लेकिन, वो नहीं मिली। इधर, पुलिस ने उस ऑटो वाले को पकड़ा, जिसके ऑटो में आखिरी बार उसको देखा गया था। कई दिनों तक उससे पूछताछ हुई। ऑटो चालक का नाम सुशील कुमार था। उसने पुलिस को बयान दर्ज कराया कि उस रात अंकिता उसकी गाड़ी में बैठी थी। उसने फाफामऊ चलने की बात कही। वह उसे लेकर फाफामऊ गया। वहां अंकित उतर गई। उसने 30 रुपए किराया मांगा, तो अंकिता ने सिर्फ 15 रुपए दिए थे। लंबी पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया।

अंकिता, लापता

फाफामऊ के सीसीटीवी में अंकिता नहीं दिखी : ऑटो चालक ने कहा कि अंकिता को फाफामऊ छोड़ा गया, तो फिर वहां के सीसीटीवी में अंकिता क्यों नहीं दिखी? पुलिस ने वहां के सीसीटीवी भी खंगाले थे। वहां कहीं भी अंकिता ऑटो से उतरते, चलते–फिरते नजर नहीं आई। ऑटो चालक यही जिद पकड़े रहा कि उसने अंकिता को वहां उतार दिया था। ऑटो चालक अब कहता है कि उसे जो याद था, बता दिया। अब सब कुछ भूल चुका है।

मोबाइल और पर्स अस्पताल में छोड़ गई थी अंकिता : अंकिता अपना मोबाइल फोन और पर्स पापा की बेड के पास ही छोड़ गई थी। हां, उसके पास 20 रुपए का नोट था, जो जूस लाने में बचे थे। जब अंकिता के पास 20 रुपए थे, तो ऑटो चालक 15 रुपए देने की बात कैसे कह रहा है? नेहा ने बताया कि वह एसपी ऑफिस, डीएम ऑफिस भी गई। सभी अधिकारियों को पत्र भी लिखे, लेकिन मामले में सही से कार्रवाई नहीं की गई। हमने सीसीटीवी में देखा था कि वो हॉस्पिटल से पैदल निकली। उसके पीछे एक आदमी चल रहा है। वो ऑटो में बैठते हुए भी दिख रही है, लेकिन फाफामऊ क्यों जाएगी? ऑटो वाले की बातों में आकर पूरे घर ने प्रयागराज से लेकर जौनपुर तक अंकिता की तलाश की। 10 दिनों तक कोना–कोना छान मारा, लेकिन अंकिता का पता नहीं चला। 6 महीने तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। फिर नए दरोगा और नए इंस्पेक्टर आ गए। पुराने दरोगा ने कुछ भी जानकारी नहीं दी। हमारे पास जो कुछ था, हमने नए दरोगा और इंस्पेक्टर को दे दिया।

सीएम योगी के जनता दरबार से दिए गए निर्देश, लेकिन पुलिस ने एक्शन नहीं लिया : नेहा बताती है– मेरी बहन अंकिता नहीं मिली, पुलिस ने भी जरूरी एक्शन नहीं लिया। तब मैं 28 अगस्त, 2023 को मैं लखनऊ गई। यहां सीएम के जनता दरबार में फरियाद लगाई। पूरी जानकारी दी। सीएम ऑफिस के विशेष कार्याधिकारी एमके एस चौहान ने प्रयागराज पुलिस कमिश्नर को गहनता से जांच कराने और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। लेकिन, कुछ हुआ नहीं।

अंकिता ने स्कूल पढ़ाना छोड़ दिया : अंकिता की बहन नेहा आरपीएफ स्कूल में टीचर थी। पिता की मौत और बार–बार अंकिता की तलाश में प्रयागराज आने की वजह से उसने नौकरी भी छोड़ दी। नेहा ने कहा– ऑटो चालक से उसकी भी बात हुई। कई बातें वह झूठ बोल रहा है। अगर उसे पकड़ा जाए तो सच सामने आ जाएगा। नेहा का कहना है, अंकिता पिता का शव छोड़कर किसी लड़के साथ जा ही नहीं सकती। न ही उसका किसी से रिश्ता था। अंकिता का मोबाइल भी परिवार के पास है।

अब एक नजर पूरे घटनाक्रम पर : अंबेडकर नगर के थाना भीटी एरिया में चंदापुर गांव पड़ता है। यहां राममुनि पांडेय का घर है। राममुनि पांडेय पेशे से इलेक्ट्रीशियन थे। 17 साल पहले उनकी किडनी खराब हुई, तो पत्नी सुनीता ने अपनी एक किडनी डोनेट कर ट्रांसप्लांट करा दिया। सब कुछ सामान्य था।

राममुनि के चार बच्चों में तीन बेटियां– कविता, नेहा, अंकिता और एक बेटा श्याम है। बड़ी बेटी कविता की शादी हो चुकी है। नेहा स्कूल में पढ़ाती थी। अंकिता हैदराबाद में जॉब करती थी। 3 जुलाई, 2023 को राममुनि की तबीयत अचानक खराब हो गई। घरवाले पहले लोकल हॉस्पिटल लेकर गए, जहां से उन्हें प्रयागराज रेफर कर दिया गया। सुनीता पांडेय और बेटी नेहा पांडेय, राममुनि पांडेय को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल ले गए। नेहा ने अपनी बहन अंकिता को सूचना दी कि पापा की तबीयत ज्यादा खराब है। अगले दिन 4 जुलाई को नेहा भी प्रयागराज पहुंच गई। 5 जुलाई की शाम करीब 5 बजे राममुनि की मौत हो गई। सुनीता, नेहा और बेटे श्याम का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। करीब आधा घंटे बाद, जब उन लोगों ने अंकिता को बुलाया, तो वो कहीं नहीं दिखी। तभी से उसकी तलाश चल रही है।

प्रयागराज में डॉक्टरों ने ब्लड डोनेट किया

इलाहाबाद सर्जन एसोसिएशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन, एक दिन में 115 यूनिट ब्लड मिला

प्रयागराज। इलाहाबाद सर्जन एसोसिएशन के तत्वावधान मेंआयोजित रक्तदान शिविर में डॉक्टरों ने खुद रक्तदान कर आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और झूंसी में स्थित अपना चौरिटेबल ब्लड सेंटर में आयोजित रक्तदान शिविर में महिला डॉक्टरों ने भी रक्तदान किया। एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध यक्ष डॉ. प्रोबाल नियोगी की पहल पर पूरे देश में रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में इलाहाबाद सर्जन एसोसिएशन की ओर से यह आयोजन किया गया। शिविरों का थीम ष्पे बैक टू सोसाइटीष रहा। मेडिकल कॉलेज में शिविर का संयुक्त उद्घाटन इलाहाबाद सर्जन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल और मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. वत्सला मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. कमल सिंह, इलाहाबाद सर्जन एसोसिएशन के सचिव डॉ. वैभव श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह, संयुक्त सचिव डॉ. संतोष सिंह, सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीके पांडेय, सर्जरी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. शबी अहमद, डॉ. यूके पांडेय, डॉ. अरविंद श्रीवास्तव, डॉ. कचनार वर्मा, डॉ. सुबिया अंसारी और केपी. सिंह व अन्य डॉक्टर्स उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

मेजबान जर्मनी ने स्कॉटलैंड को 5-1 से हराकर शानदार शुरुआत की

म्यूनिख। फ्लोरियन विर्ट्ज और जमाल मुसियाला के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से जीत का मंच तैयार करने वाले मेजबान जर्मनी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे स्कॉटलैंड को 5-1 से करारी शिकस्त देकर यूरोपीय फुटबाल चौंपियनशिप (यूरो 2024) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। विर्ट्ज ने दसवें मिनट में जर्मनी के लिए पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर मध्यांतर तक जर्मनी को 3-0 से आगे कर दिया। जर्मनी को डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण यह पेनल्टी मिली थी, जिन्हें रेफरी ने लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया था। इस कारण स्कॉटलैंड को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। मध्यांतर के बाद सब्सटीट्यूट निकोलस फुलक्रग ने 68वें मिनट और एमरे कैन ने इंजरी टाइम में गोल करके जर्मनी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड एंटोनियो रोडिगर के 87वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से खाता खोल पाया। जर्मनी के कप्तान इल्के गुंडोगन ने मैच के बाद कहा,''हम वास्तव में इसी तरह की शुरुआत चाहते थे। मैं मैच से पहले भी जीत के प्रति अश्वस्त था। हमें दर्शकों का भरपूर समर्थन मिल रहा था और हमने वैसा प्रदर्शन किया जैसा हम चाहते थे।

स्कॉटलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने किया क्लीन स्वीप, आखिरी मैच में जीत के साथ बनाए कई रिकॉर्ड्स

टी20 वर्ल्ड कप में रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को मात देकर ग्रुप राउंड में क्लीन स्वीप किया। ये मुकाबला जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया को काफी पसीना बहाना पड़ा लेकिन आखिरकार मैच अपने नाम करने में कामयाब रहे। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा और कई रिकॉर्ड कायम किए। स्कॉटलैंड की टीम ने मैच में पहली बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 180 रन बनाए। वहीं इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट खोकर दो गेंद शेष रहते हुए ये लक्ष्य हासिल किया। टीम के लिए मार्कस स्टोइनिस ने 29 गेंदों में 59 रन बनाए वहीं ट्रेविस हेड ने 49 गेंदों में 68 रन की पारी खेली। टी20 वर्ल्ड कप में ये ऑस्ट्रेलिया की लगातार सातवीं जीत है। इस साल टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप राउंड की जीत के अलावा साल 2022 की तीन जीत भी शामिल हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड और भारत की बराबरी की। इंग्लैंड ने 2010-2012 के टी20 वर्ल्ड कप में लगातार सात मैच जीते थे। वहीं भारत ने 2012 से 2014 के बीच टी20 वर्ल्ड कप में लगातार सात मैच जीते थे। टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे बड़ा चेज ऑस्ट्रेलिया ने 181 का लक्ष्य हासिल किया जो कि टी20 वर्ल्ड कप में उनका दूसरा सबसे बड़ा चेज है। इससे हले साल 2010 के सेमीफाइनल में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन का लक्ष्य हिसाल किया था। साल 2021 में पाकिस्तान के खिलाफ 177 का उसी साल फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 173 का लक्ष्य हासिल किया।

टी20 वर्ल्ड कप के बीच दिग्गज ऑलराउंडर डेविड वीजे ने लिया संन्यास, आखिरी मैच में खेली तूफानी पारी

टी20 वर्ल्ड कप के बीच स्टार ऑलराउंडर गेंदबाज डेविड वीजे ने अंतर्राष्ट्रीय करियर से संन्यास की घोषणा कर दी है। दो देशों की टीमों के लिए खेल चुके वीजे ने अपना आखिरी मुकाबला इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को खेला, जिसमें उनकी टीम नामीबिया को हार का सामना करना पड़ा। वीजे ने इस मैच में 12 गेंदों में 27 रन बनाए। डेविड वीजे ने साउथ अफ्रीका के लिए अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने साल 2015 में सेंचुरियन में अपना वनडे डेब्यू किया। इसके बाद वे नामीबिया चले गए और यहां भी शानदार करियर बिताया। वीजे ने कुल 69 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इसमें 15 वनडे मैचों में 25.38 की औसत से 330 रन और 54 टी20 में 24.0 की औसत और 127.86 के स्ट्राइक रेट से 624 रन बनाए हैं। वहीं दूसरी तरफ गेंदबाजी में तेज गेंदबाजी ने 15 वनडे पारियों में 15 विकेट और 54 टी20 पारियों में 59 विकेट चटकाए हैं। आईपीएल में आरसीबी और केकेआर के लिए किया प्रदर्शन आईपीएल में डेविड वीजे रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके हैं। आरसीबी के दौर में उन्होंने विराट कोहली के सात भी काफई अच्छा समय बिताया। वीजे ने 18 आईपीएल मैचों में 11 पारियों में 29.6 की औसत से 148 रन बनाए हैं। जबकि, गेंदबाजी में 15 पारियों में 16 विकेट चटकाए हैं।

जल्द होगी हेड कोच के नाम की घोषणी- रिपोर्ट

भारतीय टीम के मुख्य कोच पद के लिए बीसीसीआई ने गौतम गंभीर के नाम पर आखिरी मुहर लगा दी है। दरअसल, ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार पूर्व भारतीय बल्लेबाज का मुख्य कोच बनना तय हो गया है और जल्दी ही इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म होने जा रहा है। बीसीसीआई ने मई में इस पद के लिए आवेदन मांगे थे, इसके बाद से ही कई अटकलों का दौर शुरू हो गया था। अब इस महीने के अंत में यानी टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद नए कोच का ऐलान हो सकता है। दैनिक जागरण की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने गौतम गंभीर को कोच बनाने का फैसला कर लिया है और जून के आखिर में इसकी घोषणा कर दी जाएगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने जागरण को बताया कि, गंभीर और हमारी बात हो चुकी है। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। उनकी घोषणा की तिथि भारतीय टीम के वर्ल्ड कप के सफर से तय होगी। गंभीर ही चुनेंगे सपोर्ट स्टाफ भारतीय टीम का सपोर्ट स्टाफ भी नए हेड कोच गौतम गंभीर की मर्जी से चुना जाएगा। इसको लेकर भी बीसीसीआई ने सहमति जता दी है। सूत्र ने बताया कि, गंभीर ने कहा है कि जो भी टीम इंडिया का सपोर्ट स्टाफ होगा, उसे भी वही चुनेंगे।

टी20 विश्व कप में बारिश के कारण अब तक रद्द हो चुके हैं चार मैच

फ्लोरिडा। फ्लोरिडा में मैच से पहले काफी बारिश हुई थी जिस कारण मैदान गीला था। मैदानकर्मियों ने मैदान को सुखाने की काफी कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। भारत और कनाडा के बीच फ्लोरिडा में होने वाला मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना रद्द घोषित कर दिया है। इस मुकाबले में टॉस भी नहीं हो सका और अंपायर ने दो बार मैदान का निरीक्षण करने के बाद मुकाबले को रद्द करने का फैसला किया। फ्लोरिडा में मैच से पहले काफी बारिश हुई थी जिस कारण मैदान गीला था। मैदानकर्मियों ने मैदान को सुखाने की काफी कोशिश की, लेकिन उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। मौजूदा टी20 में यह चौथा मुकाबला जो बारिश की भेंट चढ़ा है। भारत पहले ही सुपर आठ में कर चुका है प्रवेश भारतीय टीम ग्रुप-ए से पहले ही सुपर आठ में प्रवेश कर चुकी है और इस मैच के रद्द होने से उस पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। कनाडा के खिलाफ भारतीय टीम के पास सुपर आठ से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ को परखने का अच्छा अवसर था। भारतीय टीम अब सुपर आठ में 20 जून को अफगानिस्तान का सामना करेगी। भारत ने ग्रुप चरण में अपने अभियान का समापन चार मैचों में तीन जीत के साथ सात अंक लेकर शीर्ष पर रहकर किया। भारत ने ग्रुप-ए में एक भी मैच नहीं गंवाया। दूसरी ओर, कनाडा की टीम चार मैचों में एक जीत, दो हार के साथ तीन अंक लेकर फिलहाल पाकिस्तान से आगे तीसरे स्थान पर है। पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच रविवार को इसी स्टेडियम में मुकाबला खेला जाना है। फ्लोरिडा में तीन मुकाबले हुए रद्द मौजूदा टी20 विश्व कप में बारिश ने

चार मुकाबलों में बाधा डाली। भारत और कनाडा मैच से पहले चार जून को वेस्टइंडीज के बारबाडोस में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच खेला गया मुकाबला भी बारिश की भेंट चढ़ गया था। इस मुकाबले में टॉस हुआ था और मैच को 10-10 ओवर का कराने का फैसला किया गया था। स्कॉटलैंड ने 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 90 रन बना लिए थे, लेकिन इंग्लैंड की पारी के दौरान बारिश आ गई और मुकाबला बेनतीजा रहा। वहीं, फ्लोरिडा में 11 जून को श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला गया मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया था, जबकि 14 जून को अमेरिका और आयरलैंड के बीच ग्रुप-ए का मुकाबला भी रद्द करना पड़ा था और इसमें टॉस भी नहीं हो सका था।

15 जून से यूरो कप का आगाज, यहां देखें पूरा शेड्यूल -समय और वेन्यू की पूरी जानकारी

यूरो कप 2024 फुटबॉल टूर्नामेंट का 15 जून यानी शनिवार से आगाज होने जा रहा है। फुटबॉल के मिनी वर्ल्ड कप के नाम से मशहूर ये टूर्नामेंट पूरे एक महीने तक यानी 15 जुलाई तक चलेगा।

फुटबॉल टूर्नामेंट का 15 जून यानी शनिवार से आगाज होने जा रहा है। फुटबॉल के मिनी वर्ल्ड कप के नाम से मशहूर ये टूर्नामेंट पूरे एक महीने तक यानी 15 जुलाई तक चलेगा। ग्रुप स्टेज के मैच 26 जून तक खेले जाएंगे, वहीं नॉकआउट चरण 29 जून से शुरू होगा। मेजबान देश के रूप में जर्मनी को ग्रुप ए में जगह दी गई है। मेजबानी जर्मनी 15 जून को म्यूनिख फुटबॉल एरिना में स्कॉटलैंड के खिलाफ उद्घाटन मैच खेलेगा। इस टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जिन्हें चार-चार टीमों के 6 ग्रुपों में बांटा गया है। वहीं हर ग्रुप से टॉप दो टीमें राउंड ऑफ 16 में पहुंचेंगी। इसके अलावा तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमें भी राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई करेंगी। कैसा होगा फॉर्मेट यूरो कप 2014 के पहले दौर में टीमें अपने ग्रुप में बाकी टीमों के साथ एक-एक मैच खेलेंगी। राउंड ऑफ 16 से नॉकआउट स्टेज की शुरुआत होगी। यानी हारने वाली टीम का सफर वहीं खत्म हो जाएगा। राउंड ऑफ 16 यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में जीतने वाली आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर फाइनल की विजेता टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी और सेमीफाइनल की विजेता टीम का मुकाबला 15 जुलाई को बर्लिन के ओलंपियास्टेडियन में होने वाले फाइनल में होगा। रोनाल्डो पर फैंस की नजरें जर्मनी 2006 फीफा वर्ल्ड कप के बाद पहली बार किसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। 2021 में पिछला यूरो कप खेला गया था। हालांकि, ये टूर्नामेंट 2020 में होना था, लेकिन कोरोना की वजह से इसे एक साल के लिए स्थगित किया गया था। 2021 में हुए यूरो कप को न्म.) यूरो कप 2020 के नाम से ही बुलाया गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को हराकर इंग्लैंड को सुपर आठ में पहुंचाया

ग्रॉस आइलेट। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड (68) और ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस (59) के अर्धशतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराकर अपने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड की टी20 विश्व कप के सुपर 8 में जगह पक्की की। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 180 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की। स्कॉटलैंड ने एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 60 रन कर दिया

था लेकिन हेड और स्टोइनिस ने चौथे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी करके अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाकर इंग्लैंड के खेमे में राहत पहुंचाई। ऑस्ट्रेलिया ने इस जीत से ग्रुप बी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इस मैच में स्कॉटलैंड की हार से इंग्लैंड भी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर सुपर 8 में पहुंच गया। इंग्लैंड ने इससे पहले बारिश से प्रभावित मैच में नामीबिया को हराया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया की स्कॉटलैंड पर जीत से ही वह अगले चरण में जगह बना पाता। ऑस्ट्रेलिया ने अपने चारों मैच जीते जबकि इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के समान पांच अंक रहे। इंग्लैंड ने बेहतर रन रेट के आधार पर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने मैच के बाद कहा,''हमने अपनी रणनीति पर बने रहने पर बात की थी। स्कॉटलैंड की टीम अच्छी है। उन्होंने काफी सुधार किया है और हम निश्चित तौर पर उन्हें सम्मान देना चाहते थे।'' उन्होंने कहा,''हम अपनी लय बनाए रखना चाहते थे। हमें जब भी चुनौती मिली हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। आज भी ऐसा ही हुआ। हमारे लिए यह अच्छा अनुभव था। अब हम नए सिरे से शुरुआत करेंगे।'' बड़े लक्ष्य के सामने ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (01), कप्तान मार्श (08) और ग्लेन मैक्सवेल (11) के विकेट जल्दी गंवा दिए। स्कॉटलैंड के गेंदबाज हालांकि हेड और स्टोइनिस पर दबाव नहीं बना पाए जिन्होंने 44 गेंद पर 80 रन की साझेदारी की। हेड ने 49 गेंद की अपनी पारी में 5 चौके और चार छक्के लगाए। स्टोइनिस ने अधिक आक्रामक रवैया अपनाया।उन्होंने अपनी पारी में 29 गेंद का सामना किया तथा 9 चौके और दो छक्के लगाए। आखिर में टिम डेविड ने 14 गेंद पर नाबाद 24 रन बनाए और विजयी छक्का लगाया। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने कहा,''हमारे खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिए। हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा खेल दिखाया।

महंगाई में कमी आने से ऑल टाइम हाई पर शेयर बाजार, छोटे और मझोले शेयरों में बड़ी तेजी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला कारोबारी हफ्ता काफी शानदार रहा। बाजार में यह लगातार दूसरा हफ्ता था, जब बाजार के मुख्य सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स उच्चतम स्तर पर बंद हुए।आंकड़ों की बात करें तो 14 जून को समाप्त हुए हफ्ते में सेंसेक्स में 299 अंक या 0.39 प्रतिशत बढ़कर 76,992 और निफ्टी 175 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 23,465 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुख्य बेंचमार्क ने 77,145 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य बेंचमार्क ने 23,490 का उच्चतम स्तर को छुआ। सरकार द्वारा बुधवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि मई में खुदरा महंगाई दर गिरकर 4.75 प्रतिशत रह गई है, जो कि अप्रैल में 4.83 प्रतिशत थी। बीते हफ्ते विदेशी और घरेलू निवेशकों दोनों ने जमकर भारतीय बाजारों में निवेश किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 2,030 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,293 करोड़ रुपये का निवेश किया। स्मॉल कैप और मिडकैप शेयरों में इस दौरान जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है और बीएसई मिडकैप इंडेक्स ने 4.4 प्रतिशत का रिटर्न इस दौरान दिया है। स्मॉलकैप में पीटीसी इंडस्ट्रीज, एवनटेल, हौंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स, पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजी, एचसीसी, जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर, वार्डविजार्ड इनोवेशन एंड मोबिलिटी, ईआईएच एसोसिएटेड होटल्स, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया, रिलायंस पावर और एशियन ग्रैनिटो इंडिया ने 25 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। मिडकैप शेयरों में शेफलर इंडिया, ऑयल इंडिया, ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल।, एंड्यूरेंस टेक्नोलॉजीज, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, हनीवेल ऑटोमेशन और न्यू इंडिया एश्योरेंस सबसे ज्यादा बढ़ने वाले शेयर थे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो कैपिटल गुड्स इंडेक्स ने 6.4 प्रतिशत, रियल्टी इंडेक्स ने 5.4 प्रतिशत, टेलीकॉम इंडेक्स ने 4 प्रतिशत और ऑयल एंड गैस इंडेक्स ने 3.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

कनाडा के खिलाफ मैच रद्द होने के बावजूद भारत का ग्रुप चरण में सकारात्मक प्रदर्शन

गीली आउटफील्ड के कारण भारत का शनिवार को यहां कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप का अंतिम ग्रुप मैच एक भी गेंद खेले बिना रद्द हो गया। दोनों टीमों को एक एक अंक मिला। भारत सात अंक से ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा। अमेरिका (पांच अंक) ग्रुप से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम रही। कनाडा तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। खराब मौसम ने भारत की सुपर आठ के लिए अपनी तैयारी को मजबूत करने की उम्मीदों में बाधा पहुंचायी। लेकिन ग्रुप चरण के शानदार अभियान के बाद आत्मविश्वास से भरी टीम अगले चरण के लिये कैरेबियाई सरजमीं पर जायेगी। यह आत्मविश्वास मुख्य रूप से तीन ग्रुप मैच में तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से मिला है जिसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हार्दिक पंड्या और मोहम्मद सिराज ने मिलकर 20 विकेट चटकाये। निश्चित रूप से इन्हें नासाउ काउंटी स्टेडियम मददगार 'ड्रॉप इन' पिच मिली थी और अब आगामी मैचों में उन्हें वेस्टइंडीज में खेलने के लिए पारंपरिक पिचें मिलेंगी। पिच से निश्चित रूप से मदद मिली लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी तकनीकी समझ और परिस्थितियों को समझकर उनका फायदा उठाया। अर्शदीप से बेहतर कोई नहीं दिखा। कप्तान रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव द्वारा रन जुटाना सकारात्मक रहा जिसके अलग कारण रहे। रोहित और सूर्यकुमार दोनों ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। जिससे वे अब सुपर आठ में और बेहतर करना चाहेंगे। वहीं पंत ने दिल्ली कैपिटल्स की अगुआई करते हुए आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन दिखाया। पंत ने पूरे आत्मविश्वास के साथ यहां की परीक्षा में सफलता हासिल की। घ्बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कई शॉट खेले। विकेट के पीछे उनका प्रयास भी उतना ही अच्छा रहा। हार्दिक भी आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी के दौरान शांत रहने के बाद विश्व कप में मजबूत नजर आये। हालांकि उनकी बल्लेबाजी अब भी शीर्ष गियर में नहीं पहुंची है। लेकिन गेंदबाज के तौर पर उन्होंने अपनी गति और वेरिएशन से बल्लेबाजों को परेशान किया। पर सबकुछ अच्छा नहीं था। कुछ हद तक अक्षर पटेल को छोड़कर किसी भी स्पिनर को ग्रुप चरण में 'गेम टाइम' नहीं मिला। अक्षर ने तीन मैच में छह ओवर फेंके और तीन विकेट लिये। वहीं दूसरे स्पिनर रविंद्र जडेजा ने आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण में सिर्फ तीन ओवर फेंके। बायें हाथ के इस स्पिनर को अमेरिका के खिलाफ इस्तेमाल भी नहीं किया गया था। टीम के अन्य स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल बिना किसी 'गेम टाइम' के सुपर आठ में प्रवेश करेंगे। अगर कनाडा के खिलाफ मैच हुआ होता तो वे कुछ अच्छा कर सकते थे। वेस्टइंडीज की पिचों से स्पिनरों को धीरे धीरे मदद मिलने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

बराबरी का प्रश्न

निस्संदेह, दुनिया भर में लैंगिक समानता और महिलाओं को पुरुषों के बराबर हक दिये जाने के लिये विभिन्न मंचों से लगातार आवाज उठती रही है। वहीं दुनिया के कई संगठन चुनिंदा आंकड़ों के जरिये पूरी दुनिया में लैंगिक स्थिति मापने का दावा भी करते रहे हैं। यह भी तथ्य है कि सदियों तक औपनिवेशिक शासन के अधीन रहने वाले विकासशील देश विकसित देशों की महिलाओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति का मुकाबला नहीं कर सकते। फिर दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले एक देश की तुलना छोटे देश आइसलैंड से कदापि नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़े नीति–नियंताओं को आत्ममंथन का मौका जरूर देते हैं। समाज के लिये भी यह विचारणीय प्रश्न है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है। निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर संकट वास्तविक है। जो हमारी विकास योजनाओं और नीतियों के व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता बता रही है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है। हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर–सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। हालांकि, किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। लेकिन विश्व आर्थिक मंच के आंकड़े हमें आत्ममंथन का अवसर जरूर उपलब्ध कराते हैं। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं। हमें यह सोचना होगा कि पिछले बार जहां हम विश्व आर्थिक मंच की सूची में 127वें स्थान पर थे, तो इस बार दो स्थान फिसलकर 129वें स्थान पर कैसे पहुंच गए। वहीं महिलाध्पुरुष राष्ट्राध्यक्षों की समानता के मामले में हम आज दसवें स्थान पर हैं। ऐसा नहीं है कि समाज की पुरुषवादी सोच में बदलाव नहीं आया। लेकिन बदलाव की गति धीमी है। निस्संदेह, आजादी के मुकाबले स्थितियां बहुत बदली हैं, लेकिन ये प्रगति संतोषजनक नहीं है। दरअसल, समाज में पुरुष वर्चस्व की मानसिकता को बदलने की जरूरत है। विश्वास किया जाना चाहिए कि बराबरी के सवाल पर हमारी पहल देर–सवेर रंग जरूर लाएगी।

संविधान बदलने का मुद्दा भाजपा पर पड़ा भारी

प्रो. रविकांत

> *देश के सबसे बड़े सूबे की 80 लोकसभा सीटों में 17 सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। यूपी में दलित आबादी 21.5 फीसदी है। इसमें आधी आबादी करीब 11 फीसदी केवल जाटव समाज है। जाटव समाज बीएसपी का मूल समर्थक रहा है।*

2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई। हालांकि एनडीए को मिली 293 सीटों पर जीत के साथ नरेंद्र मोदी सरकार बनाने में कामयाब रहे। ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मोदी के अहंकार की हार है। इससे मोदी का गुरुर टूटा है। लेकिन भारत जैसे सामंती समाज में क्या अहंकार को इतना निकृष्ट माना जा सकता है? भाजपा के पास पूंजी, प्रबंध और प्रचार तंत्र की व्यापक मौजूदगी के बावजूद नरेन्द्र मोदी की हार का असली कारण क्या है? यह भी सच है कि राम मंदिर राजनीतिक मुद्दा नहीं बनने के बावजूद जनवरी–फरवरी में विपक्ष बहुत उत्साहित नहीं था। विपक्ष ना तो एकजुट था और ना ही उसके पास संसाधन थे। कांग्रेस का बैंक खाता सील कर दिया गया था। चुनाव के पहले से लेकर चुनाव के दरमियान भी विपक्षी नेताओं पर ईडी और इनकम टैक्स की छापेमारी होती रही। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जैसे दो मुख्यमंत्री जेल भेज दिए गए। सैकड़ों विपक्षी नेताओं को ईडी के डर और प्रलोभन के जरिए भाजपा में शामिल कराया जाता रहा। यानि विपक्ष को निहत्था बनाकर नरेंद्र मोदी 400 सीटें जीतने के इरादे से चुनावी मैदान में दाखिल हुए। इसी उत्साह या अहंकार में नरेंद्र मोदी ने अबकी बार 400 पार का नारा दिया। 400 सीटें क्यों जीतना है? इस पर भाजपा के अनेक नेताओं और प्रत्याशियों ने बेबाक बयान दिए। उनका कहना था कि संविधान बदलने के लिए इतना बड़ा बहुमत चाहिए। संविधान बदलने का मतलब है कि हिंदू राष्ट्र बनाना और मनुस्मृति के आधार पर नया संविधान लिखा जाना। भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण यही नारा बना। संविधान बदलने की बात पर सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया दलित समाज में हुई। इसका असर आदिवासी और पिछड़े समाज में भी हुआ। लेकिन दलितों के लिए यह सिर्फ अधिकारों का नहीं बल्कि भावुकता का भी मुद्दा बना। उनके लिए संविधान सिर्फ एक कानून की किताब नहीं, केवल अधिकारों की गारंटी नहीं बल्कि बाबा साहब अंबेडकर के शब्दों और सपनों का संग्रह भी है। यह भी गौरतलब है कि पिछले एक दशक से जिन राज्यों में दलित समाज के बीच बहुजन नायकों की जयंतियां मनाई जा रही हैं, संविधान की प्रस्तावना दोहराई जा रही है, वहां इस बार भाजपा को शिकस्त झेलनी पड़ी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उत्तर प्रदेश है। देश के सबसे बड़े सूबे की 80 लोकसभा सीटों में 17 सीटें अनुसूचित वर्ग के लिए आरक्षित हैं। यूपी में दलित आबादी 21.5 फीसदी है। इसमें आधी आबादी करीब 11 फीसदी केवल जाटव समाज है। जाटव समाज बीएसपी का मूल समर्थक रहा है। लेकिन इस चुनाव में मायावती एक भी सीट नहीं जीत सकीं। उनका वोट प्रतिशत भी 1995 की स्थिति में पहुंच गया। इस बार बसपा को केवल 9.43 फीसदी वोट मिले। बसपा किसी सीट पर दूसरे स्थान पर भी नहीं आ सकी। इसका बड़ा कारण मायावती द्वारा भतीजे आकाश आनंद को बीच चुनाव में नेशनल कोऑर्डिनेटर और उत्तराधिकारी पदों से हटाया जाना रहा। जाटव समाज का पढ़ा–लिखा और जागरूक तबका संविधान बदलने की मुनादी करने वाली भाजपा को हराने के लिए बसपा को छोड़कर इंडिया एलाइंस की ओर चला गया। हालांकि इसकी संख्या बहुत ज्यादा नहीं है। लेकिन इस बार बड़ा प्रभाव गैर जाटव वोट में दिखाई दिया। यह समाज भाजपा से निकलकर बड़े पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ गया। इसकी मूल वजह संविधान बदलने का नारा बना। गैर–जाटव जातियों में कोरी, पासी और धोबीय ये तीन जातियां विशेष रूप से इंडिया गठबंधन के साथ आईं। इसके अतिरिक्त वाल्मीकि, सोनकर, धानुक, मुसहर और खरवार आदि जातियों का एक हिस्सा भाजपा से निकलकर इंडिया गठबंधन के साथ गया। यही कारण है कि 2019 में सुरक्षित 17 सीटों में से 14 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार बड़ा झटका लगा। इस चुनाव में विपक्ष को 9 सुरक्षित सीटों पर जीत मिली है। इनमें 7 पर सपा, 1 पर कांग्रेस और नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद चुनाव जीते। जाहिर तौर पर सामान्य सीटों पर भी दलित वोट के निकलने से भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ। संविधान बचाने के इस चुनाव को सबसे ज्यादा राहुल गांधी ने प्रभावित किया। 1989 से कांग्रेस पार्टी यूपी की सत्ता से बाहर है। 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली थी। इस चुनाव में कांग्रेस ने यूपी में 18.2 फीसदी वोट हासिल करके 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि 2014 में वह केवल अमेठी और रायबरेली सीट पर ही जीत सकी।

लोकसभा चुनाव– 2024 के नतीजे क्या बताते हैं?

वजाहत हबीबुल्लाह

लोकसभा के सात चरणों में हुए चुनावों के आखिरी दिन, 1 जून की शाम को मतदान समाप्त होने पर दृश्य और प्रिंट मीडिया कथित एग्जिट पोल से अटा पड़ा था जिसमें भाजपा को अपने बल पर भारी जीत मिलने और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के अपने सहयोगियों के साथ कम से कम 350 सीटें मिलने का दावा किया गया था। हर कोई इससे सहमत नहीं था लेकिन मीडिया के एक पूर्वाग्रही वर्ग ने संदेह जताने वालों का उपहास उड़ाया। इन एकतरफा मीडिया मुगलों ने प्रतिद्वंद्वी इंडिया गठबंधन का मजाक उड़ाया और उन लोगों का मजाक उड़ाया जिन्होंने कहा कि चुनाव बदल रहा है और सत्तारूढ़ गठबंधन उलटफेर का सामना कर रहा है। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक साक्षात्कार में अपनी स्व–घोषित अचूकता पर सवाल उठाए थे जिसमें उन्होंने भाजपा के लिए 300 से अधिक सीटों की भविष्यवाणी की थी। एग्जिट पोल के साथ स्पष्ट छेड़छाड़ वास्तव में एक अभियान की परिणति थी, जिसकी शुरुआत एक प्रमुख मीडिया हाउस के वरिष्ठ समाचार एंकर ने अपने फेसबुक पेज पर प्रकाशित किया था, श्अब की बार 400 के पारश। हालांकि, परिणाम बताते हैं कि वास्तव में नकली कौन हैं। अब जैसा कि हम जानते हैं कि 2024 में भारतीय जनता पार्टी को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने के बाद से सबसे बुरी हार का सामना करना पड़ा हैय और पूर्ण बहुमत से बहुत कम सीटें मिलीं, जिससे पार्टी मुख्य रूप से दो सहयोगियों पर निर्भर हो गई, जिन्हें इसके अपने नेतृत्व ने अतीत में बार–बार अस्थिर और अविश्वसनीय करार दिया है। उनमें से एक को भाजपा शासन में जेल जाना पड़ा था। दूसरी ओर इन परिणामों का जश्न उदारवादियों ने मनाया है, जिन्होंने इसे बहुसंख्यकवाद की ओर झुकाव के उलट और संवैधानिक शासन को बचाने के रूप में देखा है, जो इस बार एक मुद्दा बन गया– यह देखते हुए कि कुछ भाजपा उम्मीदवारों ने कथित तौर पर घोषणा की थी कि संविधान में संशोधन किया जाएगा। संवैधानिक परिवर्तन का डर भाजपा के इनकार की परवाह किए बिना पिछड़े समुदायों के बीच भाजपा के समर्थन आधार को खत्म कर रहा है। इसने युद्ध की रेखाएं खींच दीं, जिसका शायद कभी इरादा नहीं था, लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के नेताओं के गैरजिम्मेदाराना बयानों ने अपने लाखों साथी नागरिकों की नागरिकता के कानूनी आधार के बारे में केवल उनके धार्मिक संप्रदाय के आधार पर बयानबाजी की। इसने निश्चित रूप से भारत भर के मुस्लिम समुदाय को इंडिया गठबंधन के पीछे लामबंद कर दिया। केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू–कश्मीर में, जो मुस्लिम बहुल हैं, ये युद्ध रेखाएं नाटकीय रूप से स्पष्ट हैं परन्तु देश के अन्य हिस्सों में एक विवेकशील पर्यवेक्षक के लिए स्पष्ट हैं। लोकतांत्रिक विकल्प की जीत में अतीत में चुनाव बहिष्कार के लिए कुख्यात कश्मीरी बड़ी संख्या में स्थानीय राष्ट्रवादी नेशनल कॉन्फ्रेंस के पीछे लामबंद हो गए और यहां तक कि आजादी के एक समर्थक इंजीनियर रशीद यूएपीए के तहत जेल में बंद हैं। देश में भाजपा के पिछले दस वर्षों के शासन ने उनके सामाजिक तनाव को और बढ़ा दिया है। भारतीय समाज के सभी वर्गों को संविधान में दिए गए विशेषाधिकारों को छोड़कर विशेष सुविधाओं के आनंद के लिए आश्वासन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को किसी भी आधार पर आर्थिक, सामाजिक या राजनीतिक भेदभाव से मुक्ति का आश्वासन दिया जाना चाहिए। अन्यथा भारतीय समाज में दरार आ जाएगी जो देश की स्थायी एकता के लिए अच्छा संकेत नहीं है। यह आने वाली सरकार के लिए एक चुनौती है। इस सरकार के कम से कम दो प्रमुख घटक– जेडी(यू) और टीडीपी पहले ही इस मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा कर चुके हैं। क्या एनडीए इस मुद्दे पर जवाब खोजेगा या इस मुद्दे पर झुक जाएगा क्योंकि इस मामले पर विरोधाभासी भावनाएं प्रबल हैं? फिर भी परिणाम एक विविध राजनीति के बहुलवादी चरित्र के अनुरूप हैं। यूपी के परिणामों से इसका उदाहरण मिलता है। हालांकि मैं खुद कोई राजनेता नहीं हूं, लेकिन मैंने बाराबंकी जिले के एक आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र सैदनपुर में मुस्लिम बहुमत के अपने गृह गांव में एक पूर्व सहयोगी के बेटे के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया था। यह समाजवादी पार्टी का गढ़ रहा है जहां 2014 से भाजपा के पास लोकसभा सीट है पर भारत गठबंधन में यह कांग्रेस को दे दी गई। यहां से चुनाव लड़ रहे युवा कांग्रेसी तनुज पुनिया ने दो लाख से अधिक मतों से सीट जीती। यहां तक कि भाजपा के गढ़ और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पड़ोसी निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ से लड़ रहे भाजपा के कद्दावर नेता राजनाथ सिंह की जीत के अंतर से भी अधिक। भारत ने एनडीए की 33 सीटों के मुकाबले 47 सीटों पर सफलता प्राप्त की। सभी पूर्वानुमानों, यहां तक कि विपक्ष का समर्थन करने वालों ने भी इतना साहसिक दृष्टिकोण नहीं दिया था कि विपक्ष को 40 से अधिक सीटें दी जा सकें। वैसे इसके उलट हमारे पास भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बीजू जशता दल के छोटे लेकिन अभेद्य गढ़ में एनडीए की व्यापक जीत है जो एक भी लोकसभा सीट नहीं बचा सके। 20 सीटें भाजपा के पास गईं और बची एकमात्र कांग्रेस के पास। इतना ही नहीं, बीजेडी के वर्षों तक प्रभुत्व वाले विधानसभा में भाजपा ने बीजद की 51 सीटों के मुकाबले 78 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत हासिल किया जबकि राज्य में पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी और हाल ही में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को केवल 14 सीटें मिलीं। इसी तरह, भाजपा ने मध्यप्रदेश के 29 लोकसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक सीट पर कब्जा कर लिया और कांग्रेस ने एकमात्र छिंदवाड़ा सीट खो दी जिस पर उसने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के तहत लगातार कब्जा किया था। इस बार उनके बेटे नकुल ने चुनाव लड़ा जहां हाल ही में हुए राज्य चुनावों में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी, लेकिन वह कभी नहीं जीती जा सकी।

मेष :– कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे–संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी–नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुला :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे–संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनु :– नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

मीन :– क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

आखिर पप्पू पास कैसे हो गया?

नीरज कुमार दुबे

> *लोकसभा चुनावों से पहले उनके विदेशी दौरों को सवालों के घेरे में लाते हुए उन पर आरोप लगाये गये कि वह विदेशों में अपने संबोधनों के जरिये देश की छवि खराब कर रहे हैं।*

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद खुशियां मना रही कांग्रेस पर तंज कसते हुए भाजपा ने पूछा था कि लगातार तीसरी बार सत्ता से दूर रही कांग्रेस आखिर किस बात का उत्सव मना रही है? देखा जाये तो भाजपा का सवाल वाजिब था क्योंकि तीन चुनावों से कांग्रेस तीन अंकों में सीटें हासिल नहीं कर पा रही है फिर भी उत्सव ऐसे मना रही है जैसे उसका कोई बड़ा मिशन पूरा हो गया हो। आप 2014 से 2024 तक के तीन लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि इस बार कांग्रेस को वाकई जश्न मनाना ही चाहिए क्योंकि सत्ता से दूर रह जाने के बावजूद यह भी सही है कि कांग्रेस को इस बार बड़ी जीत मिली है। दरअसल कांग्रेस ने लगातार हार से उपजी निराशा पर जीत हासिल कर ली है। पिछले दस सालों से कांग्रेस मुक्त भारत अभियान जिस तेजी से चला था उससे ऐसा लग रहा था कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी शायद जल्द ही लुप्तप्राय हो जाये लेकिन कांग्रेस की शानदार वापसी ने उसके समर्थकों और कार्यकर्ताओं को जोश से भर दिया है। इसके अलावा भाजपा ने राहुल गांधी को पप्पू करार देकर उन्हें पूरी तरह से विफल घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन राहुल गांधी ने पूरे चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का नेतृत्व करते हुए अपनी रणनीति से भाजपा को कई जगह उसके गढ़ों में ऐसी मात दी है जोकि भगवा खेमे को हमेशा सालती रहेगी। भारतीय राजनीतिक इतिहास को देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्षी नेता के रूप में राहुल गांधी ने बहुत कुछ सहा है। उनकी छवि पप्पू यानि कम बुद्धि वाले नेता की बना दी गयी थी। यही नहीं, उनकी राष्ट्रभक्ति पर भी सवाल उठाये गये। लोकसभा चुनावों से पहले उनके विदेशी दौरों को सवालों के घेरे में लाते हुए उन पर आरोप लगाये गये कि वह विदेशों में अपने संबोधनों के जरिये देश की छवि खराब कर रहे हैं। चुनावों के दौरान राहुल गांधी के तमाम पुराने वीडियो के अंश निकाल कर उनकी समझ पर सवाल उठाये जा रहे थे। राहुल गांधी बाइक मैकेनिक से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी बढ़ई से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी ट्रक ड्राइवरों से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी छात्रों से मिलें तो सवाल। ऐसा माहौल बना दिया गया था कि राहुल गांधी हर धंधे में हाथ आजमाना चाहते हैं क्योंकि वह राजनीति में सफल नहीं हो पाये। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया कि राहुल गांधी राजनीति में सफल और स्थापित, दोनों हो गये हैं। राहुल गांधी की इस सफलता को सोशल मीडिया पर श्पप्पू पास हो गयाश की संज्ञा दी जा रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि पप्पू पास कैसे हो गया? यदि आप राहुल गांधी की पिछले एक–डेढ़ साल की राजनीतिक गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि उन्होंने परीक्षा करीब आने पर ही पढ़ने जैसी आदत छोड़कर साल के शुरू से ही परीक्षा की तैयारी में जुटने वाले छात्र का आचरण अपना लिया है।कांग्रेस ने अगर अपनी लोकसभा सीटों की संख्या में लगभग 50 का इजाफा किया है तो इसमें राहुल गांधी की श्भारत जोड़ो यात्राश और श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश का भी अहम योगदान है। इन दोनों यात्राओं के जरिये राहुल गांधी ने जब देश के विभिन्न कोनों की समस्याओं को करीब से समझा और जनता से सीधी मुलाकात कर उनके मन की बात जानी तो इससे उनमें खुद भी बड़ा परिवर्तन आया और जनता के बीच उनकी छवि में भी सुधार हुआ। राहुल गांधी जब अपनी यात्राओं के दौरान पैदल चलते हुए आम लोगों से बात करते थे तब लोगों को समझ आया कि राहुल गांधी कम बुद्धि वाले नेता नहीं हैं जैसा कि आमतौर पर उन्हें दर्शाया जाता है। इसके अलावा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से अब तक की उनकी तमाम तस्वीरों को देख लीजिये उनमें सिर्फ उनकी विदेश यात्रा को छोड़ दें तो बाकी तस्वीरों में आपको यही लगेगा कि वह अपनी लुक पर ध्यान देने की बजाय साधारण तरीके से रहने में विश्वास करने लगे हैं और आम जन के बीच उन्हीं की तरह रहना और दिखना चाहते हैं। आप अगर राजनीतिक इतिहास उठा कर देखेंगे तो पाएंगे कि जनता के बीच साधारण तरीके से रहने वाले नेता बहुत लोकप्रिय होते हैं। राहुल गांधी जिस तरह टी–शर्ट और पैंट में ही रहते हैं और चाहे सर्दी हो या गर्मी, उनका लुक एक जैसा ही रहता है उसका बड़ा असर मतदाताओं पर पड़ा है। आपने चुनावों के दौरान अक्सर देखा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी को शहजादा बताते हुए उन पर हमले करते हैं लेकिन राहुल गांधी पिछले लगभग एक–डेढ़ साल से जिस साधारण तरीके से रह रहे हैं उसके चलते इस बार के चुनावों में श्शहजादाश शब्द ने उन्हें नुकसान नहीं पहुँचाया। 2014 से पहले नरेंद्र मोदी की छवि साधारण नेता की और राहुल गांधी की छवि युवराज की थी लेकिन अब मोदी के सूट–बूट पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने उनकी छवि अमीर और उद्योगपतियों के समर्थक की और राहुल गांधी की छवि जननायक की बना दी है। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं रहा। राहुल गांधी को श्पप्पूश वाली छवि से बाहर निकालने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम ने दिन–रात काम किया और आखिरकार उन्हें सफलता मिल गयी। बताया जाता है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के प्रचार का काम कांग्रेस ने मार्केटिंग और कम्युनिकेशन फर्म तीन बंदर को दिया था। राहुल गांधी की यह दोनों यात्राएं प्रचार की दृष्टि से तो काफी सफल रहीं ही साथ ही उनकी छवि भी एक गंभीर राजनेता की बनाने में मददगार साबित हुईं। इसी मार्केटिंग फर्म ने कांग्रेस के प्रचार अभियान को धार देते हुए चुनावों के दौरान ऐसे–ऐसे स्लोगन बनाये जोकि लोगों की जुबान पर चढ़ गये।

हनी सिंह ने सोनाक्षी-इकबाल की शादी की पुष्टि की, कहा- जरूर आऊंगा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ 23 जून को शादी करने जा रही हैं, हालांकि इस पर अभी तक न ही सोनाक्षी और न ही जहीर की ओर से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट आया है। लेकिन सिंगर और रैपर हनी सिंह ने कपल की शादी की पुष्टि कर दी है। हनी सिंह ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, इस वक्त मैं लंदन में ग्लोरी के पहले गाने की शूटिंग कर रहा हूं। लेकिन मैं अपनी बेस्ट फ्रेंड सोनाक्षी की शादी में शामिल होने के लिए जरूर समय निकालूंगा। उनका मेरे करियर में बड़ा सपोर्ट रहा है और उन्होंने जिंदगी में कई बार मेरी मदद भी की है। पावर कपल सोना और जहीर को शुभकामनाएं!! भोलेनाथ उन्हें आशीर्वाद दें। बता दें कि हनी सिंह और सोनाक्षी ने दो म्यूजिक वीडियो देसी कलाकार और कलास्टर में साथ में काम किया है। ये दोनों सॉन्ग सुपरहिट साबित हुए। हाल ही में सोनाक्षी और जहीर की शादी का एक ऑडियो वेडिंग इनवाइट लीक हुआ था, जिसमें सोनाक्षी और जहीर की आवाज थी। इस इनवाइट में सोनाक्षी और जहीर कहते हैं– आखिरकार वो पल आ गया है जब हम एक–दूसरे के रूमर्ड गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड से ऑफिशियली हसबैंड और वाइफ बन जाएंगे। जहीर कहते हैं–श्पिछले सात साल हमने अब तक हंसी–खुशी और प्यार से गुजारे। अब ये सेलिब्रेशन आप सबके बिना अधूरा है तो 23 जून को जो भी कर रहे हों, उसे छोड़ दीजिए और हमारे साथ पार्टी कीजिए। जल्द मिलते हैं। इस ऑडियो वेडिंग इनवाइट में सोनाक्षी और जहीर की फोटो है और नीचे की ओर क्यूआर कोड है। इस कोड को देख माना जा रहा है कि इसी से वेडिंग पार्टी में एंट्री मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेडिंग पार्टी में बॉलीवुड से कई सेलेब्स शामिल होंगे, जिसमें आयुष शर्मा, हुमा कुरैशी, वरुण शर्मा, संजय लीला भंसाली, फरदीन खान, ताहा शाह बदुशा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल के नाम शामिल हैं।

मायरा मिश्रा ने भाग्य लक्ष्मी के सेट पर बनाई स्पेशल कड़क मसाला चाय, बताई यूनिक रेसिपी

लोकप्रिय टीवी सीरियल भाग्य लक्ष्मी के सेट पर एक्ट्रेस मायरा मिश्रा ने अपनी ऑन–स्क्रीन फैमिली के लिए स्पेशल कड़क मसाला चाय बनाई और सभी को पिलाई। एक्ट्रेस ने शाम के ब्रेक के दौरान सभी के लिए अदरक और पुदीने की चाय बनाई। सीरियल में मायरा, मलिष्का का रोल निभा रही हैं। अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए, मायरा ने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी कोई परेशानी नहीं, जिसे एक कप चाय से सुलझाई न किया जा सके। चाय सिर्फ पीने की चीज नहीं है, यह एक इमोशन है। मेरा दिन एक कप चाय के साथ शुरू होता है। मेरे पास एक स्पेशल रेसिपी है जिसमें मैं चाय की पत्ती, चीनी और दूध डालने से पहले पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां, अदरक और इलायची डालती हूं। यह फ्लेवर को बढ़ाता है और अगर आपको सर्दी, सिरदर्द है या थकावट भरा दिन है तो यह उसमें मदद करती है। उन्होंने कहा, एक दिन, मैंने अपने पूरी भाग्य लक्ष्मी फैमिली के लिए चाय बनाई और उन्हें यह बहुत पसंद आयी। हमने कुछ पकौड़े भी मंगवाए। यह एकदम परफेक्ट कॉम्बिनेशन था। इस शो में लक्ष्मी का रोल ऐश्वर्या खरे और ऋषि का किरदार रोहित सुचांती निभा रहे हैं। शो में स्मिता बंसल, उदय टिकेकर, नीना चीमा और पारुल चौधरी भी लीड रोल में हैं।

> ‘‘ अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए, मायरा ने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी कोई परेशानी नहीं, जिसे एक कप चाय से सुलझाई न किया जा सके। चाय सिर्फ पीने की चीज नहीं है, यह एक इमोशन है। मेरा दिन एक कप चाय के साथ शुरू होता है। मेरे पास एक स्पेशल रेसिपी है जिसमें मैं चाय की पत्ती, चीनी और दूध डालने से पहले पानी में कुछ पुदीने की पत्तियां, अदरक और इलायची डालती हूं। यह फ्लेवर को बढ़ाता है और अगर आपको सर्दी, सिरदर्द है या थकावट भरा दिन है तो यह उसमें मदद करती है।

भाग्य लक्ष्मी जी टीवी पर प्रसारित होता है। हाल ही में मायरा मिश्रा ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड राजुल यादव से सगाई की है, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। राजुल पेशे से डर्मेटोलॉजिस्ट है और दिल्ली के रहने वाले हैं। अपनी सगाई में मायरा ने गोल्डन कलर का लहंगा पहना, वहीं उनके मंगेतर ने ब्लैक कलर का सूट चुना। वायरल हो रही सगाई के एक वीडियो में मायरा और राजुल स्टेज पर डांस करते नजर आ रहे हैं। लव स्टोरी की बात करें तो 1 दिसंबर 2022 को मायरा मुंबई में अपने दोस्त की शादी अटेंड करने गई थी, वहां उनकी मुलाकात राजुल से हुई। इसके अगले दिन वह कॉमन फ्रेंड की बर्थडे पार्टी में भी मिले। दोनों की दोस्ती हुई और फिर करीब आ गए।

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म ‘महाराज’ की रिलीज पर कोर्ट ने लगाई रोक

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म 'महाराज' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म रिलीज से पहले ही अपने कंटेंट के कारण विवादों में घिरी हुई है। वहीं अब गुजरात हाई कोर्ट से इस फिल्म पर रोक का फैसला आ गया है। जुनैद खान की फिल्म 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार थी। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की पहली फिल्म 'महाराज' 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है बता दें जुनैद खान की फिल्म महाराज के कंटेंट को लेकर कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जाहिर की थी। उन्होंने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील करते हुए याचिका दायर की थी। बता दें इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि इसमें कुछ ऐसी चीजें हैं जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं महाराज 14 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली थी। 13 जून को फिल्म की रिलीज पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। महाराज पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप लगे हैं। ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये फिल्म वैष्णव समुदाय के एक धार्मिक प्रमुख के इर्द–गिर्द घूमती है। ऐसे में विश्व हिंदू परिषद ने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील की थी, क्योंकि ये धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। महाराज को लेकर गुरुवार को अहमदाबाद और मुंबई उच्च न्यायालयों में सुनवाई हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात हाई कोर्ट ने फिल्म पर 18 जून तक के लिए रोक लगा दी है। ईटाइम्स में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि कुछ भक्तों और पुष्टिमार्गीय वैष्णव पंथ के अनुयायियों ने गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिस पर उच्च न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, फिल्म महाराज के निर्माता यश राज फिल्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को नोटिस जारी किया। हाई कोर्ट ने 18 जून तक के लिए महाराज के ओटीटी और मीडिया प्रसारण पर रोक लगा दी है। जुनैद खान के साथ फिल्म महाराज में जयदीप अहलावत और शरवरी वाघ भी अहम किरदार निभा रहे हैं। महाराज के अलावा जुनैद एक और बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग जापान के खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है।

> जुनैद खान की फिल्म महाराज के कंटेंट को लेकर कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जाहिर की थी। उन्होंने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील करते हुए याचिका दायर की थी। बता दें इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि इसमें कुछ ऐसी चीजें हैं जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकती हैं महाराज १४ जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली थी।

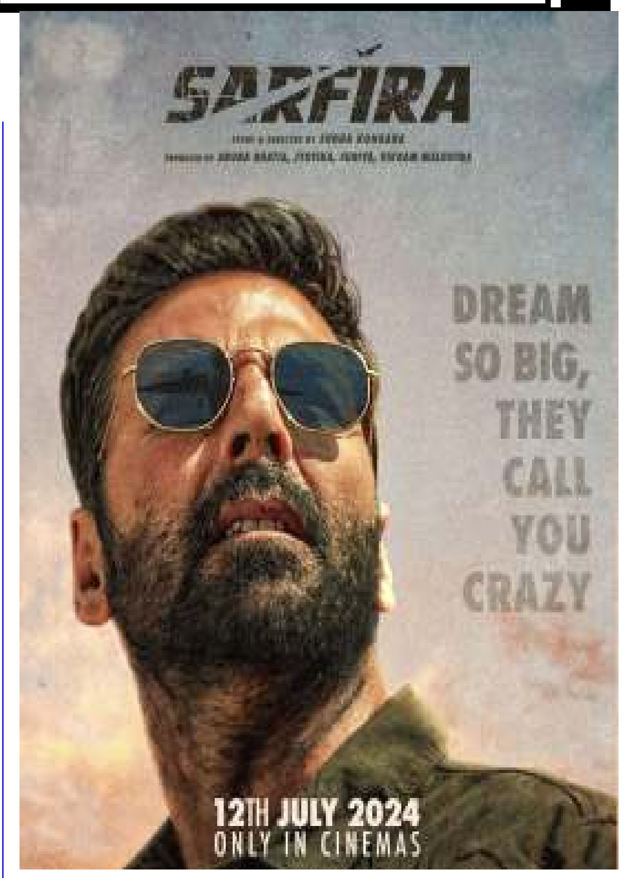

अक्षय कुमार ने सरफिरा का पहला पोस्टर किया रिलीज, रफ लुक में आए नजर

सुपरस्टार अक्षय कुमार साल में एक से ज्यादा मूवीज करने के लिए जाने जाते हैं और इसी ट्रेंड को फॉलो करते हुए वह अपनी नई फिल्म सरफिरा लेकर आ रहे हैं। एक्टर ने फिल्म का पहला पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया। पोस्टर में एक्टर को रफ लुक में देखा जा सकता है। उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए हैं और चेहरे पर हल्की दाढ़ी है और वह आसमान की ओर देख रहे हैं। उनके सनग्लासेस में ऊपर एयरक्राफ्ट की झलक दिखाई दे रही है। हल्की छोटी दाढ़ी में वो काफी हैंडसम लग रहे हैं। पोस्टर पर टैगलाइन लिखा हुआ है, सपने इतने बड़े देखो कि लोग तुम्हें पागल कहें। एक्टर ने कैप्शन में लिखा, एक ऐसे आदमी की कहानी... जिसने बड़े सपने देखने की हिम्मत की! मेरे लिए यह एक कहानी है, एक किरदार है, एक फिल्म है, जीवन भर का एक मौका है! सरफिरा का ट्रेलर 18 जून को रिलीज होगा। फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में अक्षय और राधिका मदान की जोड़ी देखने को मिलेगी। इसके अलावा, परेश रावल और सीमा बिस्वास जैसे सितारे अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म का डायरेक्शन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगरा ने किया है। यह साउथ सुपरस्टार सूर्या की तमिल फिल्म सोरारई पोटरु की रीमेक है। फिल्म की कहानी सुधा और शालिनी उषा देवी ने लिखी है और डायलॉग पूजा तोलानी के हैं। केप ऑफ गुड फिल्म्स की अरुणा भाटिया, साउथ के सुपरस्टार सूर्या और ज्योतिका (2डी एंटरटेनमेंट) और विक्रम मल्होत्रा (अबुंदंतिया एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बात करें अक्षय की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे वेलकम टू द जंगल, हॉउसफुल, स्काई फोर्स और खेल खेल में जैसी फिल्मों में नजर आएंगे। इससे पहले अक्षय कुमार की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां ईद के मौके पर रिलीज हुई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी।

रणवीर सिंह अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए 15 किलो वजन बढ़ाएंगे

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह अपने आगामी प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, और वह जल्द ही अपने शारीरिक परिवर्तन पर काम करेंगे। दावा किया गया है कि वह अपनी अगली ऑन–स्क्रीन उपस्थिति के लिए कुछ वजन बढ़ाएंगे। जबकि रणवीर के प्रशंसक उनकी अगली फिल्म के बारे में आधिकारिक बयान का इंतजार कर रहे हैं, लेखिका शोभा डे ने इंस्टाग्राम पर प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दिया। अलीबाग के एक कैफे में रणवीर से मिलने के बाद शोभा ने उनके साथ एक तस्वीर शेयर की। लेखिका ने उनके साथ कुछ सेल्फी शेयर कीं। एक तस्वीर में रणवीर शोभा और उनकी दोस्त के साथ मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं, तीनों खुशी से मुस्कुरा रहे हैं। दूसरी तस्वीर में वह फ्रेंच फ्राइज़ की प्लेट के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने निष्कर्ष निकाला लेकिन उन्होंने कहा कि वे खुद कार्ब्स पर ध्यान दे रहे हैं। उन्हें अपने नवीनतम प्रोजेक्ट के लिए 15 किलो वजन बढ़ाने की जरूरत है। हमेशा की तरह आकर्षक, स्वाभाविक और हमेशा विनम्र। अलीबाग में उन्हें अपना पड़ोसी पाकर खुशी हुई। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि वह किस प्रोजेक्ट का जिक्र कर रही हैं। काम के मोर्चे पर, रणवीर को आखिरी बार आलिया भट्ट के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया था। यह रॉकी (रणवीर) और रानी (आलिया भट्ट) की प्रेम कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है, जो विपरीत पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से ताल्लुक रखते हैं। रणवीर अगली बार अजय देवगन और अक्षय कुमार के साथ सिंघम अगेन में नजर आएंगे। यह इस साल दिवाली के आसपास रिलीज होने वाली है। वह फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित डॉन 3 में भी अभिनय करेंगे। निजी मोर्चे पर, रणवीर जल्द ही अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे।

खुशी से झूम उठेंगे हैदराबाद वाले, आईआरसीटीसी ने निकाला सबसे सस्ता टूर पैकेज

अगर आप दोस्तों या परिवार के साथ यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बता दें आईआरसीटीसी ने शुरुआत की है सस्ते टूर पैकेज की। यह टूर पैकेज हैदराबाद के लोगों के लिए है। चलिए आपको इसकी पूरी जानकारी देते हैं।

समर वैकेशन चल रही हैं, ऐसे में बच्चे भी कहीं न कहीं घूमने के लिए जिद कर रहे हैं। अगर आप परिवार या दोस्तों के साथ घूमने की सोच रहे हैं। तो यह लेख सिर्फ आपके लिए है। दरअसल, भारतीय रेल ने लोगों के सुविधाओं के लिए कई टूर पैकेज की व्यवस्था शुरु की है। इन सस्ते टूर पैकेज के साथ आप भी अपने परिवार के साथ मस्त जगह पर घूम सकते हैं। चलिए आपको इसकी जानकारी शेयर करते हैं।

हैदराबाद से मुरुदेश्वर, श्रृंगेरी और उडुपी टूर पैकेज

– IRCTC के इस टूर पैकेज की शुरुआत 18 जून से होने जा रही है।

– हर मंगलवार को इस पैकेज के लिए टिकट बुक कर सकते हैं।

– यह टूर पैकेज 5 रात और 6 दिनों का है।

– इस टूर की यात्रा ट्रेन से शुरु होगी और घूमने के लिए कैब की सुविधा मिलेगी।

– दो लोगों के साथ यात्रा करने प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 19000 रुपये है।

– अगर आप स्लीपर कोच में सफर करते हैं, प्रति व्यक्ति 16010 रुपये देने होंगे।

– बच्चों के साथ यात्रा करने पर आपको अलग से 8240 रुपये देने होंगे।

– इस पैकेज में होटल और खाने–पीने की सुविधा शामिल है।

– अधिक जानकारी के लिए आप भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट से टिकट बुक कर सकते हैं।

हैदराबाद से तिरूमला और तिरूपति टूर पैकेज

– यह टूर पैकेज सबसे सस्ता है।

– इस पैकेज की शुरुआत 21 जून से होने जा रही है, इसके बाद आप हर दिन इस पैकेज से यात्रा कर पाएंगे।

– यह 3 रात और 4 दिनों का टूर पैकेज है।

– पैकेज में आपको ट्रेन और कैब से यात्रा करने का मौका मिलेगा।

– दो लोगों के साथ यात्रा करने पर यह पैकेज प्रति व्यक्ति 9570 रूपये है।

– स्लीपर कोच में यात्रा करने पर आपको मात्र 7720 रूपये देने होंगे।

– बच्चों के साथ यात्रा करने पर आपको अलग से 5000 रुपये देने होंगे।

हैदराबाद से गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और श्रीनगर टूर पैकेज

– इस पैकेज की शुरुआत 19 जून से हो रही है।

– यह 5 रात और 6 दिनों का टूर पैकेज है।

– दो लोगों के साथ यात्रा करने प्रति व्यक्ति पैकेज फीस 52930 रुपये है।

– बच्चों के लिए सिर्फ 41210 रुपये है।

– पैकेज में आपको फ्लाइट से यात्रा करवाई जाएगी।

लू से बढ़ रही है हाई ब्लड प्रेशर की समस्या, जानें इसके लक्षण

बढ़ती गर्मी देशभर में अपना कहर दिखा रही है। ऐसे में तेज हीट वेव्स की वजह से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। हाई ब्लड प्रेशर जिसे साइलेंट किलर भी कहते हैं, ये इतनी खतरनाक बीमारी है कि यह इंसान को मौत की तरफ भी धकेल सकती है। हाई बीपी या हाइपरटेंशन के मरीजों को कई बार यह समझ नहीं आता कि उनका ब्लड प्रेशर हाई है। ऐसे में हम आपको आज इसके लक्षण बताएंगे और कुछ ऐसी बातें जिनका आपको खास ध्यान रखने की जरूरत हो सकती है।

गम्भीर सिरदर्द

घर–दफ्तर के काम, पेट से जुड़ी समस्याएं, नींद की कमी और तनाव जैसे कारणों से लोगों को सिरदर्द की समस्या होती है। लेकिन हाई बीपी के मरीजों को भी सिरदर्द होता ही है। जब ब्लड प्रेशर बहुत हाई हो जाता है तो गम्भीर या असहनीय सिरदर्द होने लगता है। इस स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें और सही इलाज के लिए पूछें।

एडी में सूजन

लंबे समय में यह अतिरिक्त प्रयास आपके हृदय की मांसपेशियों को मोटा बना सकता है। यह अंततः आपकी एध्डी में तरल पदार्थों का निर्माण करते है, जिससे वे सूज जाते हैं। देखा गया है कि पैरों को ऊपर उठाकर बैठने से आपका रक्त अधिक स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होता है और सूजन को कम करने में मदद मिलती है। लेकिन वक्त रहते इसे अपने डॉक्टर से परामर्श करना बेहत विकल्प है।

सांस लेने से जुड़ी समस्याएं

कोरोना के बाद से सांस लेने से जुड़ी परेशानियों को नजरअंदाज ना करने की सलाह दी जाती हैं। लेकिन, सांस लेने में दिक्कतें आना हाई बीपी का भी एक महत्वपूर्ण लक्षण होती हैं। यह एक गम्भीर लक्षण है बीपी की समस्या के आरंभ से ही दिखायी देने लगता है।

इरेक्टाइल डिस्फंक्शन

इसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है, जो शरीर में रक्त के प्रवाह को कम कर देता है। इससे कुछ पुरुषों में इरेक्शन हासिल करना और उसे बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। इसके साथ ही इससे पीड़ित पुरुषों में यौन इच्छा की कमी की समस्या होती है। यदि आप इससे ग्रसित हैं तो तुरंत अपने डॉक्टर से चर्चा करें।

अनियमित हार्ट बीट

अनियमित धड़कन यानि दिल धड़कने की रफ्तार बदलना भी हाई बीपी का एक लक्षण है। अपने डॉक्टर से इस बारे में बात करें और ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए इस बारे में पूरी जानकारी हासिल करें।

बार–बार पेशाब आना है

बार–बार पेशाब और हाई बीपी एक दूसरे से संबंधित होते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, रात में पेशाब करने के लिए उठना उच्च रक्तचाप होने की 40ः अधिक संभावना से जुड़ा था।

नजर कमजोर होना

ब्लड प्रेशर अधिक होने पर आंखों की रोशनी भी कमजोर हो जाती है। हाई ब्लड प्रेशर आंखों के रेटिना से जुड़ी नसों को नुकसान पहुंचाता है। जिससे, दिखायी कम देने लगता है।

इन बातों का भी रखें ख्याल

हेल्दी डायट लें

हेल्दी लाइफ के लिए हेल्दी डायट बहुत जरूरी है। अपनी डायट में फ्रेश फल और हरी पत्ते वाली सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट, प्रोटीन, फाइबर युक्त खाने की चीजों को शामिल करें। कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट, साबुत अनाज और जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भरपूर खाने की चीजों को डायट में शामिल करें।

एक्टिव रहना है बेहद जरूरी

हेल्दी रहने के लिए शारीरिक गतिविधि जरूरी है। आपके शरीर की सभी मांसपेशियों की तरह, इसे भी मजबूत और हेल्दी रखने के लिए रोजाना एक्सरसाइज करना जरूरी होता है। रोजाना कम से कम तीस मिनट एक्सरसाइज करें।

मोटापा करें कम

एक सामान्य बॉडी मास इंडेक्स जो 20–25 है, इसे बनाए रखना बेहद जरूरी है। 25 से ज्यादा बीएमआई होने से आपके हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है। वजन घटाने से आपका ब्लड प्रेशर काफी कम हो सकता है।

थायराइड के मरीज भूलकर भी न खाएं ये चीजें, सेहत पर हो सकता है बुरा असर

गलत खान–पान और बदलते लाइफस्टाइल के कारण आज कल बड़ों से लेकर कम उम्र के लोगों में भी थायराइड की समस्या काफी बढ़ गई है। कई लोग इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं। आंकड़ों की मानें तो 10 में से 5 लोग इससे जूझ रहे हैं। थायराइड होने पर शरीर में कई तरह के लक्षण दिखते हैं जैसे वजन बढ़ना, तनाव महसूस होना, पीरियड्स का अनियमित होना, सोने में परेशानी, घबराहट और चिड़चिड़ापन। आपको जानकारी के लिए बता दें कि इसके होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे शरीर में आयोडीन की कमी और लंबे समय से थायराइड की कमी के कारण। ऐसे में जरुरी है के आप इस बीमारी को हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज के साथ कंट्रोल करें। ऐसे में हम आपको आज बताएंगे कि थायराइड में मरीजों को किन चीजों का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसी चीजें उनकी सेहत को और भी ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सोयाबीन

थायराइड के रोगियों को सोयाबीन का सेवन नहीं करना चाहिए। सोयाबीन खाने में से आयोडीन का अवशोषण रोक देते हैं। इसलिए थायराइड होने पर इसे नहीं खाना चाहिए। इसके साथ ही टोफू और सोया मिल्क का सेवन भी थायराइड के मरीजों को नहीं करना चाहिए।

प्रोसेस्ड फूड्स

प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन भी इन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। यह फूड्स शरीर के लिए हानिकारक भी होते हैं और वजन भी तेजी से बढ़ाते हैं। प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है जिसके कारण हार्ट संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ता है। प्रोसेस्ड फूड हार्मोन का असुंतलित भी करते हैं।

ग्लूटेन फ्री आटा

कुछ लोगों में थायराइड के कारण शरीर में सूजन और लालिमा हो जाती है। ऐसे लोगों को ग्लूटेन फ्री आटा खाना चाहिए। मुख्यतौर पर घर वाले गेंहू के आटे में ग्लूटेन मौजूद होता है। इसके अलावा थायराइड के मरीजों को जौ और मैदा भी नहीं खाना चाहिए।

क्रूसिफेरस सब्जियां

मोटापा, कब्ज, खराब डाइजेशन में क्रूसिफेरस सब्जियां फायदेमंद मानी जाती हैं परंतु थायराइड के रोगियों का इन सब्जियों का सेवन करने से थायराइड का हार्मोन प्रभावित होता है। ऐसे में फूल गोभी, पत्ता गोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियों का सेवन न करें।

मछली, अंडे से करें परहेज

इन मरीजों को मछली और अंडे की जर्दी से भी परहेज करना चाहिए। यह चीजें भी शरीर में थायराइड का स्तर बढ़ा सकती हैं।

गुड़, शहद और ब्राउन शुगर

गुड़, शहद और ब्राउन शुगर चीनी से ज्यादा हेल्दी होती हैं परंतु थायराइड में भी इन चीजों का सेवन करने से शरीर में इंफ्लेमेशन पैदा हो सकती है। इन चीजों का सेवन करने से शरीर में थायराइड हार्मोन ढंग से रिलीज नहीं हो पाता। इसलिए इनका सेवन न करें।

चाय, कॉफी से बनाएं दूरी

यदि शरीर में थायराइड की मात्रा बढ़ गई है तो कैफीन का सेवन न करें। चाय, कॉफी, सोडा, चॉकलेट का भूलकर भी सेवन न करें। इन चीजों का सेवन करने से दिल की धड़कन तेज होना, चिंता, घबराहट, चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

हाइपर थायरायडिज्म से जूझ रहे मरीजों को हार्मोन्स बढ़ाने वाले फूड्स का सेवन न करें। दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, पनीर, आयोडीन युक्त नमक का सेवन भी न करें।

पुरुषों को भी अपने मेकअप में शामिल करना चाहिए ये प्रोडक्ट, स्टाइलिश होगा लुक

अक्सर लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि लड़कियों और महिलाओं के पास तो मेकअप का सामान होता है, अपने लुक्स को बेहतर बनाने के लिए। वहीं पुरुषों का मेकअप से दूर–दूर तक कोई नाता नहीं होता है। लेकिन ऐसा नहीं है। आज के समय में पुरुष भी महिलाओं की तरह ही अपनी स्किन का खास ख्याल रखते हैं। पुरुष भी यह प्रयास करते हैं कि उनका चेहरा भी दमकता रहे। जैसे महिलाएं कहीं पार्टी या फंक्शन में जाने के दौरान मेकअप करना पसंद करती हैं। ठीक उसी तरह पुरुषों को भी पार्टी या फंक्शन में जाने से पहले मेकअप का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि अधिकतर पुरुषों को यह समझ नहीं आता है, उन्हें कौन–कौन सा मेकअप प्रोडक्ट इस्तेमाल करना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे मेकअप प्रोडक्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हर पुरुष के पास होने चाहिए।

बीबी क्रीमः लड़कियों व महिलाओं की तरह हर लड़के के पास भी बीबी क्रीम जरूर होनी चाहिए। बीबी क्रीम की मदद से स्किन कलर को एक जैसा कर सकते हैं। चेहरे पर कोई दाग–धब्बा हो, तो उसको आप बीबी क्रीम की सहायता से ढक सकते हैं। बीबी क्रीम छोटी होती है, इसलिए इसको आप आसानी से कहीं भी कैरी कर सकते हैं।

कंसीलरः लड़कियों के पास हर लड़के के पास कंसीलर होना बेहद जरूरी होता है। कंसीलर की मदद से लड़के डार्क सर्कल और दाग–धब्बों को छिपा सकते हैं। हालांकि कंसीलर खरीदने के दौरान इतना ध्यान रखें कि यह आपकी स्किन टोन से मैच करता हो।

लिप बाम

आप कितने ही अच्छे से तैयार क्यों न हो, लेकिन यदि होंठ रूखे–सूखे रहेंगे। तो आपका पूरा का पूरा लुक खराब हो सकता है। इसलिए पुरुषों को हमेशा अपने पास अच्छी क्वालिटी वाला लिप बाम जरूर रखना चाहिए।

सेटिंग स्प्रे

मेकअप को सही से सेट करने के लिए सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि अगर आप सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो आपका पूरा मेकअप लुक खराब हो जाएगा।

पं0अवध नारायण उपाध्याय स्मृति साहित्यरत्न सम्मान हेतु प्रविष्टि आमंत्रित

इकतीस जुलाई तक साहित्यकार अपनी पुस्तकें व परिचय सहित प्रविष्टि भेज सकेंगे

प्रयागराज। साहित्यिक एवं सारस्कृतिक प्रतिभाओं के उन्नयन, प्रोत्साहन और सम्मान के लिए कृतसंकल्पित सुपरिचित साहित्यिक संस्था 'अवध साहित्य अकादमी' द्वारा प्रदान किये जाने वाले 'पं0अवध नारायण उपाध्याय स्मृति साहित्यरत्न सम्मान 2024' के लिए प्रविष्टियां 31 जुलाई 2024 तक सादर आमंत्रित हैं, जिसमें विगत 2018 के बाद आप की प्रकाशित मौलिक ध्अनूदित ध्सम्पादित पुस्तक की दो प्रतियों के साथ अपना पूर्ण परिचय विवरण, एक छायाचित्र, प्रविष्टि पंजीयन शुल्क दो सौ रूपये सहित (

पेटीएम / गूगल/ फोन पे द्वारा 9935205341 पर भेजें) दिनांक 31 जुलाई 2024 तक केवल पंजीकृत डाक ध्कोरियर द्वारा भेजें। निर्धारित तिथि तक निम्न पते पर प्राप्त प्रविष्टियों को उपरोक्त सम्मान साहित्यिक पत्रिका ध् पुस्तकों के उपहार सहित 31 अगस्त 2024 तक रजिस्टर्ड पार्सल द्वारा सादर भेज दिया जाएगा द्य

(लिफाफे पर 'पं0अवध नारायण उपाध्याय स्मृति साहित्यरत्न सम्मान 2024' हेतु अवश्य लिखें)

डॉ0भगवान प्रसाद उपाध्याय

अध्यक्ष रू'अवध साहित्य अकादमी' गंधियांव ,करछना, प्रयागराज , उ0 प्र0

पिन कोड – 212301

मो0 8299280381 / 9935205341

पर्व हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक मूल्यों की धरोहरः बेशरम

करछना। हमारे सबरस समाज में मानवीय मूल्यों का जागरण करते लोकपर्व हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक मूल्यों की ध रोहर हैं।हमें चाहिए कि उल्लास के साथ पर्वों के महत्व को समझें,जानें और उसे जीने का प्रयास करें। गंगा दशहरा पर्व पर यह बातें एसीआईटी साधुकुटी में युवाओं के बीच चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने कही। उन्होंने कहा कि उत्सव के रूप में यही पर्व हमें उदासी से दूर आपसी प्रेम,प्यार सद्भाव, सामाजिक सौहार्द और उल्लास से जोड़ते हैं। साथ ही जीवन की निरसता से दूर एक नई उमंग के साथ हमें अपने अतीत की परंपरा से भी जोड़ने का माध्यम हैं। मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण दिवस जेठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हुआ।जो हमारी पुरातन लोक संस्कृति और परंपरा का अमिट प्रतीक बन गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने गंगा गीत प्रस्तुत करते हुए कहा कि–शिव शीश पर पाती सदा सम्मान है गंगा।भागीरथी के तप से वरदान है गंगा।गंगा हमारी आन मान शान है गंगा ।चाहे तो पल में मेट दें मिट्टी के घरौंदे। पर चाहती इस विश्व का कल्याण है गंगा।गंगा में अगर गंदगी इंसान करेगा,तो फैसला इस जुर्म का भगवान करेगा। इस दौरान पाप मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करने वाली मां गंगा को स्वच्छ रखने और गंगा वतरण की पुराणवर्णित मान्यताओं के महत्व को बनाए रखने का संकल्प भी दिलाया गया।

योग दिवस प्रोटोकाल की तैयारी के लिए चलाए जा रहे योगाभ्यास शिविर

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21जून के प्रोटोकाल की

तैयारी के लिए पतंजलि योग समिति की जिला महिला प्रभारी वन्दना मिश्रा के नेतृत्व में अभ्यास वर्ग का सञ्चालन शहर के शहीद उद्यान और जोगापुर कालोनी में किया जा रहा है शिविर

में संवाद प्रभारी नीलम श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी सपना गुप्ता के अलावा शिक्षिका पूनम गुप्ता निष्ठा मिश्रा स्मृति श्रीवास्तव

अर्शिया जायसवाल सपना गुप्ता वर्तिका मिश्रा किरन शुभ्रा शुभम मिश्रा शिल्पा प्रियंका मेनका वंशिका मिश्रा सुधा आदि योग एवम प्राणायाम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है महिला प्रभारी वंदना मिश्रा ने बताया कि ऐसे तो योग प्रशिक्षण समय समय पर अलग अलग स्थान पर वर्ष भर अयोजित होते रहते हैं लेकिन यह शिविर 21जून की तैयारी के लिए चलाया जा रहा है जो कि एक सप्ताह के लिए आयोजित किया गया है।

थाम कर

पिता की उंगली!
भरकर आत्मविश्वास!
ऊंची गर्दन करके!
देखा नील अकाश!
छिटकी हुई ,
तारों की चादर!
सुनहरी किरण!
पहुंचती धरती पर!
चमकीला प्रकाश !
धरती पर,
फैली हरियाली!
फूलों की क्यारी!
पक्षी गाते वृंद!
पगडंडी बैलगाड़ी
गोधूलि की बेला !
पशुओं का मेला
पीली सरसों !
नीली अलसी
लाल अनार
पीला आम!
डंगर वाड़ी !
शाला,शिक्षक!
सहपाठी!
जीवन जीना
रिश्ते निभाना
प्यार बांटना !
स्नेह जताना!
कर्तव्य निभाना!
सामंजस्य बैठाना!
अहंकार मिटाना!
श्रम से ना डरना!
प्रभु चरणों में
शीश झुकाना!
सीखा है ,
पिताजी की,
उंगली थाम कर!
'डॉ साधना शुक्ला'

आज पुलिस लाइन स्थित सभागार में योग किया गया

प्रतापगढ़ स पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य व शारीरिकध्मानसिक तनाव को दूर करने के दृष्टिगत आज दिनांक 16.06.24 को पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में R–I– की उपस्थिति में आयोजित योग शिविर में पुलिस अधिकारीध्कर्मचारीगण द्वारा योगा किया गया।'

विश्व का प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान

गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ कानपुर की सीमा वर्णिका का नाम

नई दिल्ली। भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतान्त्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। इस पुस्तक में विश्व के प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान में मूल संविधान के 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित 12 अनुसूचियाँ ,जो 2110 दोहे, 422 रोला, 24 अन्य छंदबद्ध कालजयी काव्य ग्रंथ समाहित है। इसमें भारत के 18 राज्यों के अलावा चार देशों के साहित्यकार के अलावा 14 वर्ष के बालक शामिल हुए। इस

काव्य में 142 सदस्य, त्रिसंपादक मंडल जिसमें प्रमुख संपादक "डॉ ओंमकार साहू मृदुल", संपादक डॉ सपना दत्ता "सुहासिनी" , सह संपादक डॉ मधु शंखधर "स्वतंत्र", जन जागरण समिति प्रेमनगर के अध्यक्ष डॉ रूपेश साहू जी के अथक प्रयास से यह छंदबद्ध भारत का संविधान 'गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में शामिल किया गया है जो आज दिनांक 15 जून 2024 को भव्य पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह हिंदी भवन विष्णु दिगम्बर मार्ग नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ श्याम सिंह 'शशि' (पद्मश्री), मुख्य अतिथि मिनाक्षी लेखी (पूर्व विदेश मंत्री एवं सांस्कृतिक राज्य मंत्री) विशिष्ट अतिथि डॉ सुरेश सिंह शौर्य 'प्रियदर्शी' (पुलिस प्रशासनिक अधिकारी गृहमंत्रालय), डॉ संतोष खन्ना (पूर्व न्यायाधीश) , डॉ राम सिंह (वरिष्ठ साहित्यकार) , शकुंतला कालरा (वरिष्ठ साहित्यकार) , चेतन आनंद (कवि एवं पत्रकार), पंकज शर्मा (आज तक एडिटर), आलोक कुमार (भारत प्रमुख गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड), आदि की उपस्थिति में संपन्न हुआ। हमारे संवाददाता ने बताया कि विश्व का प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान पुस्तक ही नहीं अपितु एक ग्रंथ के रूप में सीमा वर्णिका के द्वारा अनुच्छेद 353 से अनु.356 को दोहा एवं रोला में छंदबद्ध किया जो यह पुस्तक गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ "सीमा वर्णिका" का भी नाम में दर्ज हुआ है।

इस आयोजन में विश्व भर से आए रचनाकारों ने भाग लिया।

"गोल्डन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल होने पर सभी साहित्यकारों, परिवारिक, सामाजिक जनों तथा मित्रों ने बधाईयाँ प्रेषित की।

चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 02 अदद एक्साईड बैटरी बरामद, 02 अभियुक्त गिरफ्तार (फतनपुर)

प्रतापगढ़। थाना फतनपुर के उ0नि0 श्री शेषनाथ यादव मय हमराह उ0नि0 श्री प्रभात कुमार' द्वारा देखभाल क्षेत्रध्चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत 'मु0अ0सं0 118ध्2024 धारा 379 भादवि' से सम्बन्धित 'चोरी की 02 अदद बैटरी एक्साईड' के साथ 01 अभियुक्त 'विशाल गौतम पुत्र गुलाबचन्द्र गौतम नि0ग्राम सुवंसा पक्का तालाब थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ व 01 बाल अपचारी अभियुक्त' को थानाक्षेत्र फतनपुर के सुवंसा के पास पक्का तालाब के पास गिरफ्तार कर उक्त अभियोग से सम्बन्धित चोरी की बैटरी को बरामद किया गया। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध मे 'अभियोग उपरोक्त में धारा 411 भादवि की बढ़ोत्तरी' की गयी।

'गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि दिनांक 08. 06.2024 को राजेश कुमार मौर्या के दरवाजे पर खड़ी कूड़ा गाड़ी यूपी 72 एटी 1220 टाटा ऐश व ट्रैक्टर से यही बरामद बैटरी चोरी की थी आज इसे बेचने के लिए जा रहे थे कि आप लोगों ने पकड़ लिया।'

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः–'

01. विशाल गौतम पुत्र गुलाबचन्द्र गौतम नि0ग्राम सुवंसा पक्का तालाब थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ।

02. 01 बाल अपचारी।

'बरामदगीः–'

चोरी की 02 अदद एक्साईड बैटरी ।

'पुलिस टीमः'– उ0नि0 श्री शेषनाथ यादव मय हमराह उ0नि0 श्री प्रभात कुमार थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़।

मायावती बहुजन आंदोलन से विमुख हो गईं: चौधरी

लखनऊ, (यूएनएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापकों में शुमार समाजवादी पार्टी (सपा) के मौजूदा सांसद आर. के. चौधरी ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में बसपा की करारी पराजय के लिए पार्टी प्रमुख मायावती की बहुजन आंदोलन से विमुखता को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) के नारे के साथ बहुजन की मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश की मोहनलालगंज सीट से सपा के नवनिर्वाचित सांसद चौधरी ने बसपा के गिरते ग्राफ तथा पार्टी के संस्थापक कांशीराम के मिशन के भविष्य समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस वक्त उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति नेतृत्वविहीन हो चुकी है, लेकिन आने वाले समय में सपा कांशीराम द्वारा जगाई गई बहुजनवाद की अलख को परवान चढ़ाएगी। लोकसभा चुनाव में बसपा को एक भी सीट नहीं मिलने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने मायावती पर निशाना साधते हुए कहा, मायावती हमारी नेता रही हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। मगर कांशीराम जी का आंदोलन अगर किसी ने खत्म किया है तो वह बहन जी (मायावती) ने ही खत्म किया है और उस आंदोलन को आगे बढ़ाने के रास्ते पर अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चलना शुरू किया है। लोकसभा चुनाव में सपा को दलितों का भी काफी वोट मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, बहुजन समाज पार्टी के समर्थकों के वोट इस बार बिना मांगे सपा को मिले हैं। कहीं 50 प्रतिशत तो कहीं 60 प्रतिशत मिले। यह बहुत बड़ी बात है और मान्यवर कांशीराम ने जो अलख जगाई है उसे आने वाले समय में निश्चित रूप से अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी पूरा करेगी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बना चुकी बसपा हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सकी। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में 10 सीटें जीतने वाली बसपा का वोट शेयर भी पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले 10 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 9.39 फीसद रहा। बसपा के संस्थापकों में शामिल रहे आर.के. चौधरी की गिनती उत्तर प्रदेश के प्रमुख दलित नेताओं में की जाती है। बसपा की नींव रखने वाले कांशीराम के बेहद करीबी सहयोगी रहे चौधरी प्रदेश की पूर्ववर्ती बसपा सरकारों में चार बार मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में मोहनलालगंज सीट पर सपा प्रत्याशी के रूप में केंद्रीय मंत्री भाजपा के कौशल किशोर को 70 हजार से अधिक मतों से हराया था। चुनाव में बसपा उम्मीदवार राजेश कुमार को 88 हजार 461 वोट मिले और वह तीसरे स्थान पर रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्री गोरक्षनाथ मन्दिर परिसर, गोरखपुर में लोगों की समस्याओं को सुनते हुए।

एक्स प्लेटफार्म पर युवाओं ने चलाई मुहिम

रिक्त पदों को भरने की सीएम की घोषणा का ब्लूप्रिंट पेश करे सरकार : युवा मंच

लखनऊ, (यूएनएस)। युवाओं ने एक्स प्लेटफार्म (ट्विटर) पर चलाई गई मुहिम में यूपी में 6 लाख रिक्त पदों पर तत्काल पारदर्शी भर्ती को लेकर आवाज बुलंद की। लोक सभा चुनाव उपरांत समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा सभी रिक्त पदों को भरने का आदेश दिया गया है। इसी तरह की पूर्व में की घोषणाओं के अमल में न आने से युवाओं में संशय व अविश्वास की स्थिति बनी हुई है। अगर इस बार सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा की गई घोषणा के प्रति सरकार जरा भी ईमानदार है तो रिक्त पदों को भरने को लेकर ब्लूप्रिंट पेश किया जाए और चयन संस्थाएं सभी रिक्त पदों को भरने समयबद्ध भरने के लिए कलैंडर जारी करें। इसके अलावा प्रदेश में सृजित व रिक्त पदों और 7 वर्षों में अनुपयोगी बता खत्म किए गए पदों का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए।

संक्षिप्त

चोरी की वीवो मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल के साथ 01 बाल अपचारी गिरफ्तार– थाना अन्तू

प्रतापगढ़। दिनांक 16.06..2024 को जनपद प्रतापगढ़ के थाना अन्तू की पीआरवी 1991 श्री घूरा यादव मय हमराह' द्वारा देखभाल क्षेत्रध्चेकिंग के दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर थानाक्षेत्र के कटका मानापुर बाजार से स्थानीय लोगों व वादी मुकदमा की मदद से 'चोरी की वीवो मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल' के साथ '01 बाल अपचारी' को गिरफ्तार किया गया'। उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में 'थाना अन्तू में मु0अ0सं0 317ध्24 धारा 379, 411, भादवि' किया गया।

'गिरफ्तार अभियुक्त का नामः–'

01 बाल अपचारी।

'बरामदगीः–' चोरी की वीवो मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त हीरो एचएफ डीलक्स मोटर साइकिल नं0 यूपी 72 बीआर 3204 ।

'पुलिस टीमः–' मु0आरक्षी श्री घूरा यादव पीआरवी 1991 थाना अन्तू जनपद प्रतापगढ़।

योग जागरूकता रैली निकाली गई,21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह योग के प्रति जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। यह आयोजन उत्तर प्रदेश आदर्श योग समिति द्वारा कराया गया। रैली को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष व आदर्श योग समिति के संरक्षक संजय गुप्ता, चिरंजीवी भारती स्कूल के निदेशक कर्नल राजा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली की शुरुआत जोनल पार्क आशियाना से हुई और चिरंजीवी भारती स्कूल सेक्टर–एम में समापन किया गया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष संदीप सिंह गौर ने बताया 21 जून को चिरंजीव भारती स्कूल सेक्टर आशियाना में योग दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। आशियाना क्षेत्र के सभी पार्कों में सुबह योगाभ्यास करने वाले लोग सामूहिक रूप से योग करेंगे। योग जागरूकता वाहन रैली में बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया वाहन पर महिलाएं और पुरुष सवार होकर निकले। इसके अलावा रैली में योग जागरूकता का रथ भी साथ में चलता रहा। मौजूद लोगों ने करो योग रहो निरोग के नारे भी लगाए। आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि योग के माध्यम से ही स्वस्थ रहा जा सकता है। स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए नागरिकों का स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने सभी से योग अपनाने की अपील की। इस अवसर पर डेनियल हेल्थ केयर के मैनेजिंग डायरेक्टर राज दुबे, वरिष्ठ समाजसेवी संजय मिश्रा, सरस मिश्रा, एसके कंस्ट्रक्शन के मैनेजिंग डायरेक्टर (प्रदेश संयोजक) शैलेश कुमार श्रीवास्तव शैलू, इको गार्डन के योगाचार्य ओमप्रकाश श्रीवास्तव, संजीव नारायण, बुद्ध पार्क नंबर 3 के योगाचार्य राजकुमार शुक्ला, रजनी शुक्ला, अन्नू, आलोक सिंह मौजूद रहे। साथ ही बुद्धा पार्क नंबर 2 से आरडी वर्मा, जोनल पार्क योग कक्षा से पीडी वर्मा, सुनील मौर्य, एलडी चौबे, पूनम सक्सेना, मधुलिका शुक्ला, कुसुम वर्मा, सायरा, दीपा, कौशल्या सिंह, हंसा, राकेश श्रीवास्तव, भानु प्रताप सिंह, राय साहब आदि शामिल रहे। स्मृति उपवन योग कक्षा से अतुल टंडन, धर्मेंद्र अवस्थी, निषाद पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आरके गुप्ता, अंतरराष्ट्रीय योग ऑनलाइन योग ग्रुप निदेशक हरिश्चंद्र ओली, एमपी सिंह, प्रदेश महासचिव ओपी श्रीवास्तव, आरके त्रिपाठी, केबी श्रीवास्तव, हरीश श्रीवास्तव, सीएमएस योग कक्षा से डॉ रश्मि सिंह, वंदना जायसवाल, चिकित्सा प्रकोष्ठ से डॉ. चंद्र प्रकाश गौड़ शामिल रहे।

खटिया मिल में लगी आग

लखनऊ, (यूएनएस)। राजधानी के बाजारखाला एरिया में स्थित खटिया मिल में रविवार दोपहर भयंकर आग लग गई। आग लगते ही मिल में काम में करने वाले मजदूरों में अफरातफरी मच गई। लोग बचने के लिए भागने लगे। घटना की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई और टीम वहां पहुंचकर आग को कंट्रोल कर रही है। वहीं रविवार को सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर फायर स्टेशन सरोजनी नगर से कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि औरंगाबाद खालसा एसबी स्कूल के पीछे कूड़े में आग लग गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी निर्देश पर एफएस सरोजनी नगर से यूनिट इंचार्ज फायर टेंडर यूनिट के साथ घटनास्थल पहुंचे। फायर सर्विस यूनिट ने पहुंचकर देखा कि आग वहां पर रखे प्लास्टिक की बोतल व कूड़े में लगी थी। जो पूरी तरह से बुझ चुकी थी। टीम ने कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी और वापस लौट गई।

स्टूडेंट्स ने सूर्यनमस्कार का अभ्यास, विश्वविद्यालय में योग माह का आयोजन

लखनऊ, (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के संरक्षण एवं निर्देशन में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में रविवार को सुबह 5.30 गोमती नदी के तट पर सूर्यनमस्कार का अभ्यास किया गया। सूर्य को सूर्य देवता माना जाता है, जिन्हें ब्रह्मांड का निर्माता माना जाता है और वैदिक परंपरा में सूर्य चेतना और ईश्वर का प्रतीक है। इस प्रकार, सूर्य नमस्कार को सबसे महत्वपूर्ण योग अभ्यासों में से एक माना जाता है। फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोर्डिनेटर डॉ.अमरजीत यादव ने बताया कि सूर्य नमस्कार योगासनों में सर्वश्रेष्ठ है। यह अकेला अभ्यास ही हमारे सम्पूर्ण शरीर का व्यायाम करा देता है। इसके दैनिक अभ्यास से हमारा शरीर निरोगी, स्वस्थ और चेहरा ओजपूर्ण हो जाता है। महिलायें, पुरुष, बच्चे, वृद्ध, सूर्य नमस्कार सभी के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसके अभ्यास से पेट की चर्बी घटती है, शरीर को डीटॉक्स करता, मन की हर चिंता और तनाव को दूर करता है। शरीर में लचीलापन लाता है, मासिक धर्म को नियमित करता है, अंतर्दृष्टि विकसित होती है, हड्डियाँ मजबूत बनती है, मांसपेशियों में लचीलापन आता है रक्त का संचार संतुलित मात्रा में होता है,एकाग्रता बढ़ती है। इस अवसर पर डॉ रामकिशोर,शोभित सिंह,रोमा हेमवानी,मोनिका सिंह,पीयूष तिवारी, अभिषेक साहू,प्रतीक केसरवानी,आशा राजवंशी,शुभांगी,सपना कुशवाहा, शिखर शुक्ला,संजना कुशवाहा नम्रता मिश्रा ने सूर्यनमस्कार किया।

86 केंद्रों पर हो रही यूपीएससी परीक्षा, मंडलायुक्त और व्ड ने केंद्रों का किया निरीक्षण

लखनऊ, (यूएनएस)। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल

विदेशी सहायता, आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त करने को प्रतिबद्ध : पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है। शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे।

इजराइली सेना ने गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सामरिक विराम की घोषणा की

इजराइली सेना ने रविवार को दक्षिणी गाजा पट्टी में अधिक से अधिक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए संघर्ष के दौरान सामरिक विराम की घोषणा की। सेना ने बताया कि रफह में सुबह आठ बजे से लेकर शाम सात बजे तक सामरिक विराम रहेगा और अगले आदेश तक यह प्रभावी रहेगा। सेना ने बताया कि इजराइल के नियंत्रण वाले केरेम शालोम चौराहे तक सहायता ट्रकों को पहुंचाने के उद्देश्य से सामरिक विराम की घोषणा की गई है, जिसके बाद ये ट्रक गाजा के अन्य भागों में सहायता सामग्री पहुंचाने के लिए सलाह–ए–दीन राजमार्ग पर सुरक्षित रूप से जा सकेंगे। केरेम शालोम मार्ग वह मार्ग है जहां से इजराइली सेना को सहायता–सामग्री पहुंचाई जाती है।

मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने क्या कुछ कहा ?

बारी(इटली)। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद कुछ ''बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों'' से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता है। मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया है, ''जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की।'' दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली बैठक है। इससे पहले, ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि कनाडाई अधिकारी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता से संबंधित ''विश्वसनीय आरोपों की सक्रियता से'' जांच कर रहे हैं। पिछले वर्ष कनाडा द्वारा लगाये गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने ''बेतुका और प्रेरित'' बताते हुए दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था। ट्रूडो ने शनिवार को तीन दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण, संवेदनशील मुद्दे के विवरण में नहीं जाऊंगा, जिस

पर हमें आगे काम करने की आवश्यकता है। लेकिन यह आने वाले समय में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता है।'' शुक्रवार शाम बैठक के तुरंत बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेताओं ने ''द्विपक्षीय संबंधों पर संक्षिप्त चर्चा'' की, जिस दौरान ट्रूडो ने मोदी को उनके पुनः निर्वाचित होने पर बधाई भी दी। कनाडा की प्रेस समाचार एजेंसी ने प्रवक्ता एन–क्लारा वैलानकोर्ट के हवाले से कहा, ''बेशक, इस समय हमारे दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं।

आप समझ सकते हैं कि हम इस समय कोई और बयान नहीं देंगे।'' भारत का कहना रहा है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपने भू–भाग से संचालित हो रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को जगह दे रहा है। भारत ने कनाडा को बार–बार अपनी ''गहरी चिंताओं'' से अवगत कराया है और नयी दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

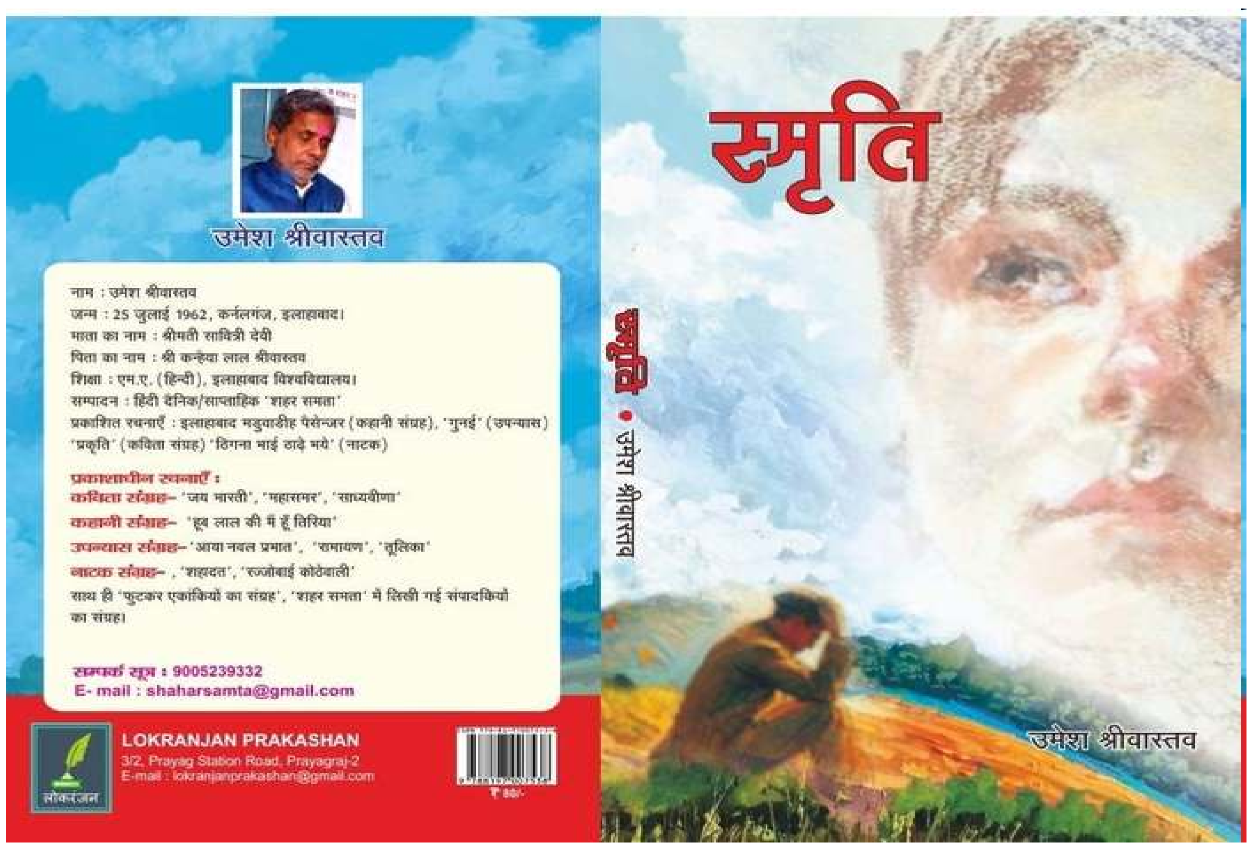

मिशिगन में एक पार्क में अज्ञात शख्स ने की गोलीबारी, दो बच्चों समेत आठ लोग घायल, बाद में खुद भी की आत्महत्या

रोचेस्टर हिल्स। अमेरिका में मिशिगन के डेट्रॉयट शहर में शनिवार को एक पार्क में गोलीबारी की घटना में दो बच्चों समेत आठ लोग घायल हो गये जिनमें से एक बच्चे की हालत काफी गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना को अंजाम देने के बाद संदिग्ध एक घर में छिप गया जिसके बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने घर को घेर लिया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध ने आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने शुरुआत में बताया था कि गोलीबारी की घटना

में 10 लोग घायल हुए हैं, लेकिन बाद में क्षेत्रीय अस्पतालों से आंकड़ा जुटाने के बाद यह संख्या कम कर दी गई। ओकलैंड काउंटी के शेरिफ माइक बाउचर्ड ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद संदिग्ध अपराधी पास के एक घर में छिप गया, जिसके बाद पुलिस ने घर को चारों तरफ से घेर लिया। वहीं, रोचेस्टर पुलिस ने शनिवार रात बताया कि उस व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। बाउचार्ड ने संवाददाताओं को बताया कि सिर में गोली लगने से आठ वर्षीय एक बच्चे की हालत काफी गंभीर है। उन्होंने यह भी बताया कि बच्चे के दो रिश्तेदारों को भी गोली लगी है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर सबसे पहले पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने तत्काल ही प्राथमिक उपचार देना शुरू कर दिया। गोलीबारी की यह घटना शाम पांच बजे के बाद शहर के एक पार्क में हुई, जहां गर्मी से राहत पाने के लिए लोग जलस्रोत का आनंद उठा रहे थे। बाउचार्ड ने बताया कि आरोपी गाड़ी से पार्क तक आया और जलस्रोत पर पहुंचने के बाद उसने अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। शेरिफ ने बताया कि घटनास्थल से एक बंदूक और तीन खाली मैगजीन बरामद की गई हैं। पुलिस ने घटनास्थल पर लोगों की आवाजाही रोकने के लिए घेराबंदी की है। अधिकारियों ने सोशल मीडिया मंच पर अपने संदेश में कहा कि अब भी खतरा बना हुआ है और उन्होंने लोगों से इस क्षेत्र से दूर रहने को कहा। बाउचार्ड ने बताया कि अभी फिलहाल इस बात का पता नहीं चल पाया है कि संदिग्ध के साथ घर के अंदर अन्य लोग थे या नहीं या वहां हथियार थे या नहीं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है लेकिन उनकी स्थिति के बारे में कुछ नहीं बताया गया। बाउचार्ड ने इस घटना को काउंटी के लिए ''एक बड़ा झटका'' बताया। शेरिफ ने कहा, ''हम इस तरह की कई घटनाओं का सामना कर चुके हैं।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक। दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

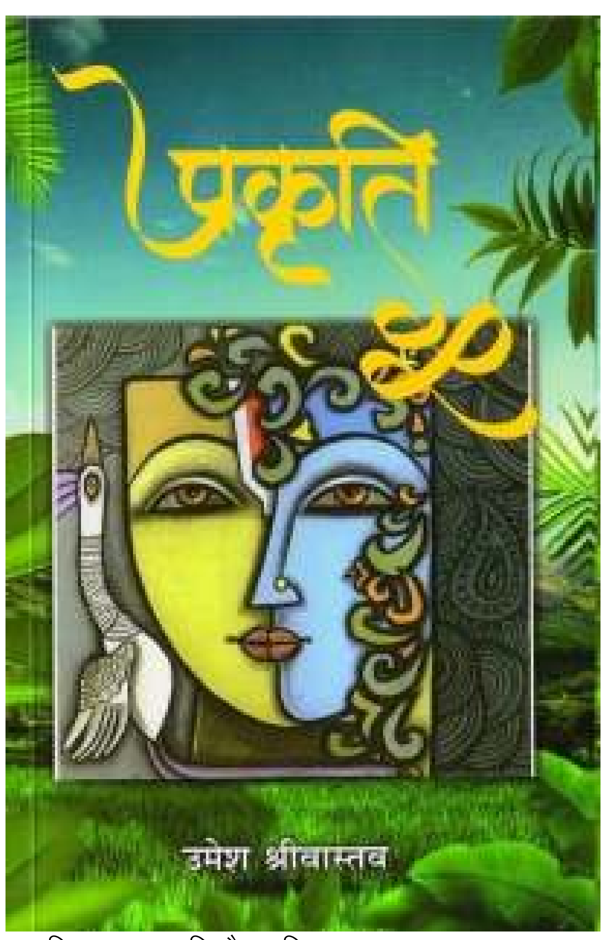

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

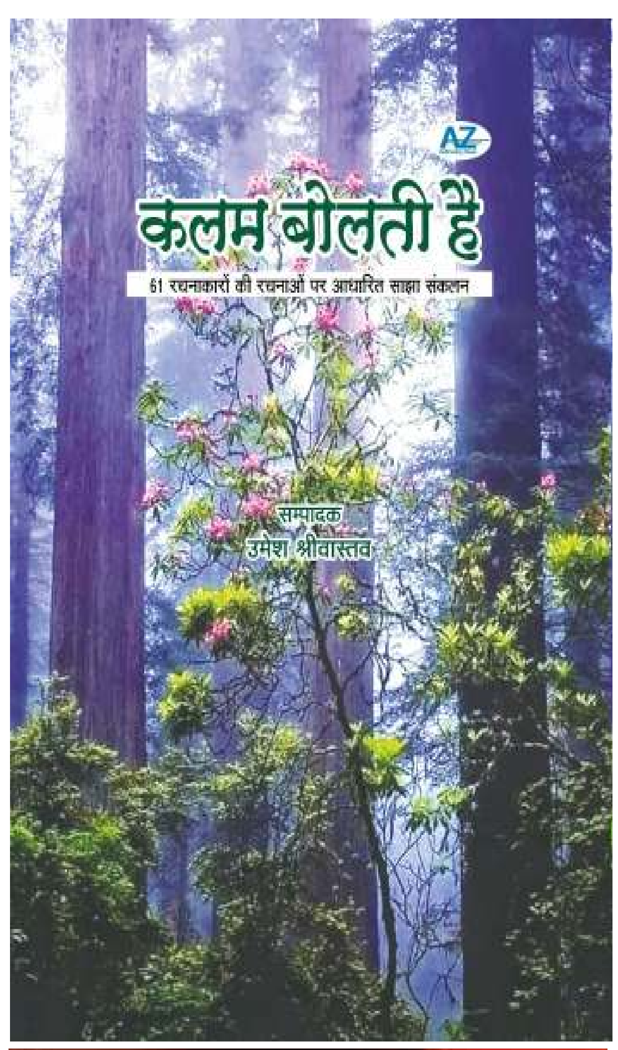

ईंधन आपूर्ति पोत और नौका की टक्कर के बाद समुद्र में फैले तेल को साफ करने में जुटा सिंगापुर

सिंगापुर के दक्षिणी तट पर एक बड़ी नौका के ईंधन आपूर्ति पोत से टकराने के कारण फैले तेल को साफ करने का कार्य रविवार को भी जारी रहा। तेल के फैल जाने से लोकप्रिय रिजॉर्ट द्वीप सेंटोसा समेत दक्षिणी तटरेखा का कुछ हिस्सा काला पड़ गया है और इससे समुद्री जीवों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। नीदरलैंड के झंडे वाली एक बड़ी नौका ने शुक्रवार को सिंगापुर के ईंधन आपूर्ति पोत 'मरीन ऑनर' को टक्कर मार दी। इससे मरीन ऑनर का मालवाहक टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और तेल समुद्र में फैल गया। सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण ने शनिवार देर रात एक बयान में कहा कि जहाज से तेल रिसाव को रोक दिया गया है और क्षतिग्रस्त टैंकर से निकले तेल को साफ किया जा रहा है। इसने बताया कि समुद्री लहरें उठने के कारण तेल सेंटोसा और अन्य दक्षिणी द्वीपों तक फैल गया है। सेंटोसा में प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक आते हैं और यहां सिंगापुर के दो कसीनो में से एक गोल्फ कोर्स और दक्षिण–पूर्व एशिया का एकमात्र यूनिवर्सल स्टूडियो थीम पार्क है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

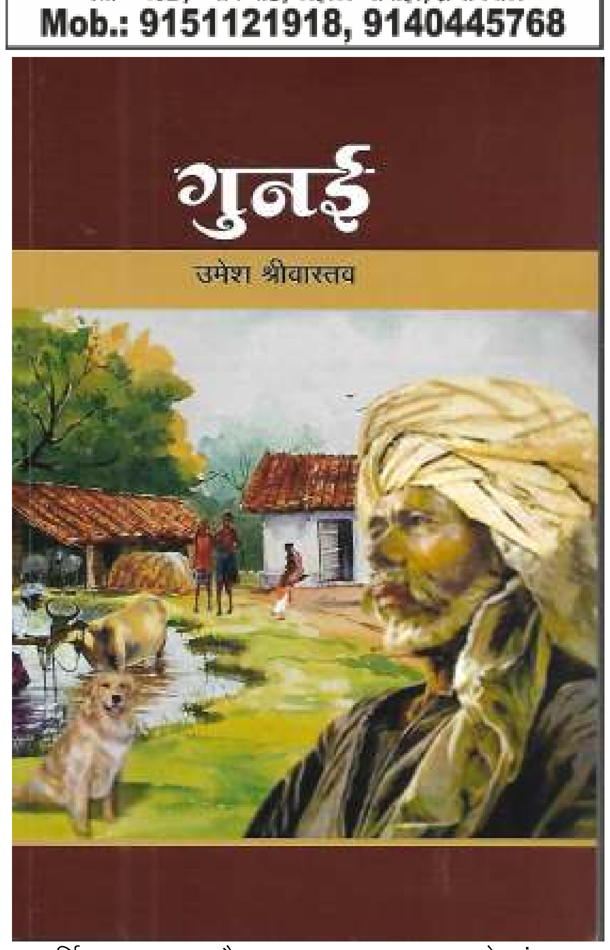

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

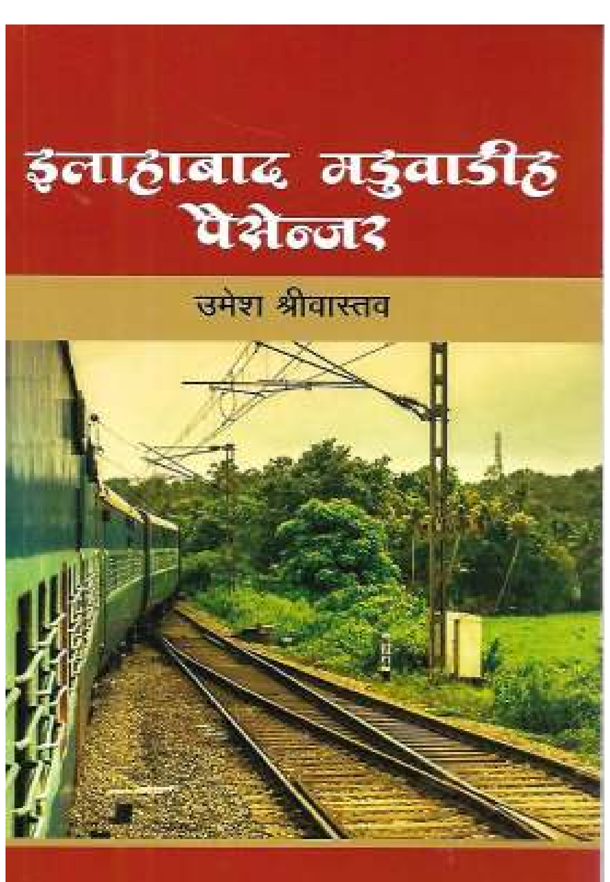

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

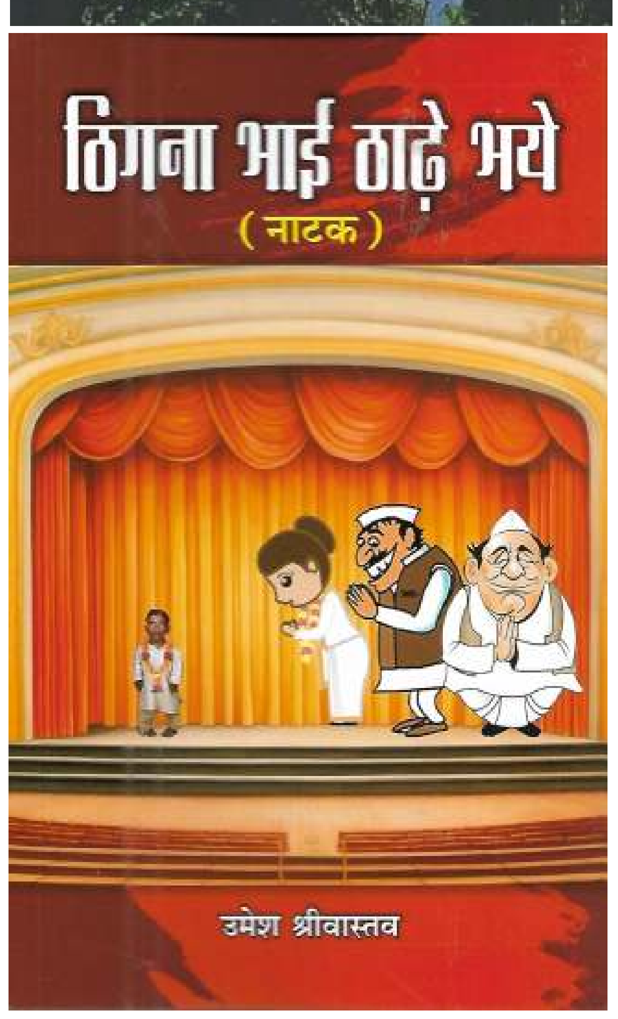

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)